हरिभूमि

रेवाड़ी भूमि

रोहतक, सोमवार 16 मार्च 2026

तापमान

अधिकतम 32 .0 डिग्री
न्यूनतम 16 .5 डिग्री

12 साइक्लिंग करने से बच्चों की शारीरिक क्षमता का होगा विकासः डा. लाज

12 सिलेंडरों की उपलब्धता में कमी नहीं, इसके बावजूद कम नहीं हो रही लाइनें, पुलिस के पहरे में हो रहा वितरण

खबर संक्षेप

रोडवेज बस चालक के खिलाफ केस दर्ज

रेवाड़ी। गत शनिवार को हरिनगर फ्लाईओवर पर एक टैंपो को टक्कर मारने के आरोप में रामपुरा पुलिस ने रोडवेज बस चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है। फ्लाईओवर के ब्रेकर पर एक टैंपो को रोडवेज बस ने टक्कर मार दी थी, जिससे टैंपो में सवार यात्री घायल हो गए थे। चालक हादसे के बाद बस छोड़कर फरार हो गया था। पुलिस ने बस को कब्जे में लेकर इंपाउंड कर दिया। केस दर्ज करने के बाद पुलिस ने आरोपी बस चालक का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए।

सड़क हादसों के आरोपी चालक गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस ने सड़क हादसों को अंजाम देने के बाद फरार हुए दो वाहन चालकों को गिरफ्तार किया है। गत 1 मार्च को कुंड पास हुए हादसे में कई लोग घायल हो गए थे। वाहन चालक मौके से फरार होने में कामयाब हो गया था। पुलिस ने अस्पताल मेंउपचाराधीन घायल के बयान पर वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू की थी। पुलिस ने इस मामले में राजस्थान के पाटन निवासी राममेहर को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को तफ्तीश में शामिल करते हुए पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

दहेज प्रताड़ना मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस ने दहेज की मांग पर महिला को प्रताड़ित करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में उसके पति को गिरफ्तार किया है। जिले के एक गांव निवासी सुनीता देवी की शिकायत के आधार पर पुलिस ने दोनों पक्षों के बीच समझौता कराने के प्रयास किए थे। महिला की दहेज की मांग पर मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाए थे। इस मामले में जांच के बाद पुलिस ने दिल्ली के नजफगढ़ निवासी निवासी सुरेंद्र को गिरफ्तार कर लिया। तफ्तीश में शामिल करने के बाद उसे पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

मारपीट व धमकी देने का आरोपी गिरफ्तार

धारूहेड़ा। पुलिस ने गत वर्ष नवंबर माह में ढाकिया में मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अस्पताल मेंउपचाराधीन घायल के बयान पर गत वर्ष 21 नवंबर को विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। उसने बयान में मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाए थे। पुलिस ने इस मामले में ढाकिया निवासी अजय को गिरफ्तार कर लिया। बाद में उसे पुलिस बेल पर छोड़ दिया गया।

खड़े ट्रॉले से कार टकराने से चालक घायल

बावल। शहबाजपुर खालसा के पास शनिवार की रात सड़क किनारे खड़े ट्रॉले से एक कार टकरा गई। इस हादसे में कार चालक घायल हो गया। गुरुग्राम निवासी पुनीत कार लेकर राजस्थान के नीमराना की ओर जा रहा था। रात को उसकी कार सड़क किनारे खड़े ट्रॉले से टकरा गई। इससे चालक को मामूली चोटें आई़ं। उसकी कार भी क्षतिग्रस्त हो गई। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंच गई, परंतु इससे पहले ही दोनों पक्षों के बीच आपसी समझौता हो गया।

रावका में माता की चौकी का आयोजन

नारनौल। टाईगर क्लब परिवार के तत्वावधान में शनिवार रात को बंशीलाल सैनी के निवास स्थान मोहल्ला रावका में माता की चौकी का आयोजन किया गया। मुख्य यजमान बंशीलाल सैनी ने माता की चौकी का आयोजन अपनी पोती विधि के जन्मदिन के अवसर पर किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता टाईगर क्लब परिवार के सचिव नरेंद्र बंसी, संरक्षक डॉ. शिवकुमार, जयप्रकाश,कैलाश नंबरदार, विजय ने संयुक्त रूप से की।

इस सप्ताह बार-बार देखने को मिलेगा मौसम में बदलाव

हल्की बारिश के साथ गिरे ओले, फसलों को नुकसान, खतरा अभी टला नहीं

मौसम को देखते हुए किसानों ने सरसों की कटाई का कार्य तेज कर दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

सरसों की कटाई का कार्य तेजी से चल रहा है, जबकि गेहूं की फसल पकाव की ओर अग्रसर है। ऐसे में मौसम में बदलाव ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। हल्की बरसात के साथ जिले के कई एरिया में हल्की ओलावृष्टि ने फसलों को नुकसान पहुंचाया है। कुछ गांवों में फसलों को अधिक नुकसान का अंदेशा है। मौसम का खतरा इस सप्ताह भी बना रहेगा। बारिश और आंधी के साथ ओलावृष्टि की आशंका सप्ताह के अंत तक बनी रहेगी। शनिवार की रात आसमान में गहरे बादल छाए रहे। रविवार सुबह के समय बावल व कुंड एरिया के कई गांवों में हल्की बारिश के साथ ओले गिरे। ओलों का आकार ज्यादा बड़ा नहीं रहा, लेकिन पककर तैयार खड़ी सरसों की फसल ओले लगने से झड़ी है। कृषि विभाग ने फसलों के नुकसान का आकलन शुरू कर दिया है। जो किसान सरसों की कटाई कर चुके हैं, उनकी कटी हुई फसलों को कोई नुकसान नहीं हुआ है। तेज हवाओं के साथ बारिश से कई एरिया में गेहूं की फसल जमीन पर गिर गई है। इससे फसल उत्पादन प्रभावित होने की आशंका बन गई है। रविवार को जिले के सीमित एरिया में ही बूंदाबांदी और ओलावृष्टि हुई है। मौसम को देखते हुए किसानों ने सरसों की कटाई का कार्य तेज कर दिया है। अप्रवासी श्रमिकों की कमी के कारण इस बार किसानों को मजदूर भी नहीं मिल रहे, जिससे उन्हें फसल कटाई में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बरसात के कारण अनाजमंडी में फड पर खुले में पड़ी सरसों भी भीग गई।

> तेज हवाओं के साथ बारिश से कई एरिया में गेहूं की फसल जमीन पर गिर गई है। इससे फसल उत्पादन प्रभावित होने की आशंका बन गई है।

रेवाड़ी। अनाजमंडी में फड पर रखी सरसों व जमा बरसात का पानी। फोटो : हरिभूमि

रेवाड़ी। एक खेत में पककर तैयार खड़ी सरसों की फसल। फोटो : हरिभूमि

इस सप्ताह भी मौसम का खतरा बरकरार

मौसम विभाग के अनुसार कमजोर पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता के चलते इस सप्ताह भी मौसम में बार-बार बदलाव देखने को मिलेगा। आसमान में आंशिक या घने बादलों के बीच बूंदाबांदी, आंधी व ओलावृष्टि की आशंका बनी रहेगी। सरसों की पककर तैयार हो चुकी फसल को ओलावृष्टि से नुकसान की आशंका बनी हुई है, तो गेहूं की फसल तेज हवाओं के साथ होने वाली बारिश से जमीन पर गिरकर प्रभावित हो सकती है।

रेवाड़ी। रविवार को बावल क्षेत्र में बरसात के साथ गिरे ओले। फोटो : हरिभूमि

तापमान में गिरावट से मौसम हुआ कूल

हल्की बारिश और कुछ इलाकों में ओलावृष्टि से मौसम का मिजाज ठंडा पड़ गया है। रविवार को सुबह के समय बारिश और बूंदाबांदी के बाद आसमान साफ हो गया। अधिकतम तापमान 2.5 डिग्री की गिरावट के साथ 32.0 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। रात का तापमान 2.0 डिग्री सेल्सियस बढ़कर 16.5 डिग्री पर पहुंच गया। हवाओं की रफ्तार 16 से 20 किलोमीटर प्रति घंटा तक रही, जबकि नमी का स्तर 42 फीसदी रहा।

बिजली की खपत 10 लाख यूनिट कम

बारिश के बाद मौसम का मिजाज ठंडा पड़ गया है। घरेलू क्षेत्र में बिजली की मांग कम हो गई है। कृषि क्षेत्र में भी बिजली की मांग प्रभावित हुई है। बारिश और ओलावृष्टि के बाद बिजली की खपत लगभग 10 लाख यूनिट तक कम हुई है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में तापमान में और गिरावट आने का अनुमान है। दिन का पारा 30 डिग्री से भी नीचे आ सकता है, जिससे बिजली की डिमांड कम बनी रहेगी।

उठने लगी फसलों के मुआवजे की मांग

ओलावृष्टि के कारण कुछ ही एरिया में फसलों को ज्यादा नुकसान हुआ है। जिन एरिया में फसलों को नुकसान हुआ है, वहां किसान संगठनों और किसानों ने फसलों की विशेष गिरदावरी और मुआवजे की मांग शुरू कर दी है। कृषि विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि फसलों को ओलावृष्टि से नुकसान का पता लगाने के लिए अधिकारियों की टीम को सर्वे के लिए फील्ड में उतारा जा रहा है। सर्वे पूरा होने के बाद ही नुकसान का पता चल सकेगा।

चोरी का आरोपी स्कूटी सहित चढ़ा पुलिस के हत्थे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

गत 12 मार्च को रेलवे रोड से एक स्कूटी चोरी करने के मामले में पुलिस ने आरोपी को चोरी की स्कूटी के साथ गिरफ्तार कर लिया। उसे कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया। आनंद नगर निवासी देवेंद्र ने पुलिस को दर्ज शिकायत में बताया था कि उसने अपनी स्कूटी रेलवे रोड पर एक दुकान के सामने खड़ी की थी। इसके बाद वह अपने काम में व्यस्त हो गया। मौका पाकर चोरी उसकी स्कूटी लेकर फरार हो गया। पुलिस ने उसकी शिकायत पर चोरी का केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू की थी। आसपास के सीसीटीवी कैमरों की मदद से पुलिस

ने चोरी के आरोपी का पता लगाने के प्रयास किए। इस मामले में जांच के बाद पुलिस ने परशुराम कॉलोनी में रह रहे मूल रूप से बिहार निवासी सुजीत कुमार को चोरी के आरोप में गिरफ्तार कर लिया।

हथियार सप्लाई करने का आरोपी एक साल बाद गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

सीआईए ने अवैध हथियार सप्लाई करने के एक आरोपी को लगभग एक साल बाद गिरफ्तार किया है। उसे कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया।

बीते वर्ष 24 जून को सीआईए की टीम को सूचना मिली थी कि गुर्जर माजरी निवासी योगेश उर्फ योगी हथियार रखता है। वह सेक्टर-18 कॉलेज के पास हथियार लेकर खड़ा किसी का इंतजार कर रहा है। सूचना मिलने के बाद सीआईए निरीक्षक सुमेर सिंह की टीम तुरंत मौके पर पहुंच गई। वहां खड़े एक युवक ने पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया, परंतु सीआईए की टीम ने उसे वहीं काबू कर लिया। पूछताछ करने उसने अपना योगेश उर्फ योगी बताया। उसके कब्जे से

रेवाड़ी। सीआईए की गिरफ्त में आरोपी अजीत। फोटो : हरिभूमि

पुलिस ने एक पिस्तौल व 2 जिंदा कारतूस बरामद किए थे। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज करने के बाद पूछताछ की गई, तो उसने बताया था कि उसे हथियार राजस्थान के कल्याणपुरा निवासी अजीत ने मुहैया कराया था। सीआईए उसके बाद से ही अजीत को काबू करने की फिराक में थी। इस मामले में सीआईए ने आरोपी अजीत को गिरफ्तार करने के बाद जेल भेज दिया।

निर्माणाधीन साइट पर चोरों की सेंध डेढ़ लाख का सामान ले गए चोर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बावल

औद्योगिक एरिया के सेक्टर-3 में एक गोदाम की निर्माणाधीन साइट से चोर लगभग 1.5 लाख रुपये का सामान चोरी कर ले गए। कसोला पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद चोरी की जांच शुरू कर दी। पुलिस शिकायत में गोदाम मालिक ने बताया कि वह एक फैक्ट्री के पास गोदाम का निर्माण करा रहा है। गत 14 मार्च की रात चोर पास की फैक्ट्री की दीवार फांदकर निर्माणाधीन गोदाम तक पहुंच गए। वहां से चोर सरिया व अन्य सामग्री चोरी कर ले गए। चोरी किए गए सामान की कीमत लगभग डेढ़ लाख रुपये

रेवाड़ी। गोदाम के पास सीसीटीवी में कैद हुए युवक। फोटो : हरिभूमि

बताई जा रही है। कसोला पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद आसपास के सीसीटीवी कैमरों की मदद से चोरों का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए।

निःशुल्क शिविर में लोगों ने करवाई आंखों की जांच

■ शिविर में लोगों के बीपी और शुगर की हुई जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बावल

गांव नांगल शहबाजपुर के निजी स्कूल में ऑल इंडिया कार्पोरेशन की ओर से निःशुल्क जांच शिविर आयोजित किया गया। शिविर में करीब 450 लोगों की स्वास्थ्य तथा 150 लोगों की आंखों की जांच की गई। लोगों को चश्मे भी वितरित किए गए। शिविर में लोगों के बीपी और शुगर की जांच भी हुई। चिकित्सकों ने कहा कि स्वास्थ्य की जांच समय-समय पर कराते रहना चाहिए। खान-पान का शरीर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, इसलिए दिनचर्या को नियमित करने की आवश्यकता है। इस अवसर पर गजेंद्र मास्टर व सरपंच प्रतिनिधि नवीन सैनी सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

रेवाड़ी। कैंप में आंखों की जांच करते हुए। फोटो : हरिभूमि

गवर्नमेंट स्कूल बावल में साक्षर बनने के लिए 21 लोगों ने दी उल्लास परीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बावल

पीएम श्री राजकीय सीनियर सैकेंडरी स्कूल बावल में नवभारत शिक्षा कार्यक्रम यानि उल्लास परीक्षा का आयोजन किया गया, जिसमें 21 परीक्षार्थियों ने भाग लिया। स्कूल के प्राचार्य प्रदीप यादव ने बताया कि 15 साल से 80 साल तक कोई भी व्यस्क इस परीक्षा में भाग ले सकता है। उन्होंने बताया कि सरकार ने लोगों को साक्षर बनाने के लिए योजना शुरू की है। उन्होंने बताया शारीरिक, पारिवारिक या आर्थिक कारण से नहीं पढ़ने वाले लोगों के लिए यह कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। उन्होंने बताया कि यह 2022 से 2027 तक चलने वाली केंद्र प्रायोजित योजना है, जिसका उद्देश्य 15 वर्ष या उससे अधिक आयु के निरक्षर व्यस्कों को बुनियादी साक्षरता, अंक गणित और डिजिटल साक्षरता प्रदान करना है। उन्होंने बताया कि 221 लोगों का चयन किया गया था, जिसमें 200 लोगों को पहले ही प्रमाण पत्र दिए जा चुके है। रविवार को 21 लोगों की परीक्षा आयोजित की गई।

रेवाड़ी। बावल स्कूल में परीक्षा देते हुए लोग। फोटो : हरिभूमि

जो भी नारी उत्तम चरित्र का आचरण करती है वह जीवन में निर्भय रहती है

नवरात्र के नौ दिन जीवन में आध्यात्मिक व शारीरिक ऊर्जा का संचार करतेः डा. नीरज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

हमारा परिवार संस्था के तत्वावधान में रविवार को चैत्र नवरात्र के उपलक्ष्य में पंजाबी धर्मशाला में मां दुर्गा की उपासना के कार्यकम का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि आईएमए जिला प्रधान डा. नीरज यादव, सचिव डा. पूजा अनेजा, समाजसेवी मुरारीलाल वर्मा व संस्था के संयोजक दिनेश कपूर ने कहा कि मां दुर्गा की उपासना के लिए नवरात्र के नौ दिन जीवन में आध्यात्मिक व शारीरिक ऊर्जा का संचार करते हैं। संत वाल्मीकि चौक ट्रेडर्स एसोसिएशन के प्रधान कैलाश सैनी, वरिष्ठ समाज सेवी शिवकुमार, शिक्षाविद डा. बलबीर अग्रवाल व प्रधान अरुण गुप्ता ने कहा कि हमारे देश में प्राचीन काल से ही कन्या पूजन के माध्यम से नारी शक्ति को नमन करने का विधान है। महिला प्रधान निशा सीकरी, वरिष्ठ भाजपा नेत्री दीपा भारद्वाज व शिक्षाविद सुनीता शास्त्री ने कहा कि जो भी नारी उत्तम चरित्र का आचरण करती है वो जीवन में निर्भय बनी रहती है। वैलनेस कोच कंचन अधलखा ने सभी को योगा व प्राणायाम का अभ्यास कराया।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में अतिथियों का सम्मान करते हुए आयोजक।

कार्यक्रम में ये मौजूद रहे

उल्लेखनीय सेवाओं के लिऐ राघव उर्फ गजानन्द, समाजसेवी रूपेश वर्मा, दीपक सैनी, उपप्रधान हेमंत ग्रोवर, भजन गायक पवन शर्मा, चन्द्र प्रकाश खुराना व समाजसेवी राजेन्द्र गेरा को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में डा. देवेन्द्र कुमार, हिमांशु, पुरुषोत्तम नंदवानी, कपिल कपूर, ओजस्वी, पूर्वांशी, सुदर्शन मेहंदीरत्ता, प्रमोद सैनी, भारत भूषण राजपाल व उमा मिगलानी सहित अनेक लोग मौजूद थे।

टेंपो चालक की लापरवाही से बाइक सवार दो युवक घायल

■ प्राथमिक उपचार के बाद रोहतक पीजीआई भेज दिया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

कोसली स्टेशन क्षेत्र में स्थित स्पार्टम जिम में कार्यरत तथा मूलरूप से चरखी दादरी जिले के नीमली गांव निवासी एक युवक ने अज्ञात टेंपो चालक पर दुर्घटना का आरोप लगाते हुए कोसली थाने में मामला दर्ज कराया है। युवक जतिन ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि शुक्रवार प्रातः लगभग 10 बजे वह अपनी मोटर साइकिल पर अपने दोस्त विमल के साथ पैट्रोल पंप से पैट्रोल डलवाकर वापस जिम जा रहा था कि देशी मार्ट के पास आगे आगे चल रहे एक लोडिंग टेंपो चालक ने तेज रफ्तार से बिना इंडीकेटर दिए टेंपो अचानक सड़क के दाहिनी ओर मोड़ दिया, जिससे मोटर साइकिल टेंपो टकरा गई, जिससे दोनों सड़क पर जा गिरे। दुर्घटना में उन्हें गंभीर चोटें आई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस तथा जिम मालिक सचिन ने उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में दाखिल कराया। उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद रोहतक पीजीआई भेज दिया गया। पुलिस ने जतिन की शिकायत पर अज्ञात टेंपो चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

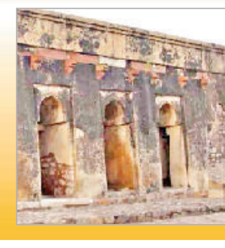

गुजरी महल

अबीर- हरियाणा में कई प्रसिद्ध ऐतिहासिक जगहें मौजूद हैं। हरियाणा की ऐतिहासिक जगहें सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि विश्व भर में फेमस है। हिसार में मौजूद गुजरी महल एक प्राचीन और प्रमुख ऐतिहासिक जगह है। इस महल का निर्माण फिरोजशाह तुगलक ने करवाया था। बता दें कि ताजमहल की तरह ही ये भी प्रेम की निशानी है। दरअसल, फिरोजशाह तुगलक ने अपनी प्रेमिका गुजरी के लिए इस महल का निर्माण करवाया था। इस महल के अंदर दीवान-ए-आम और बरदारी भवन भी प्रसिद्ध हैं।

लोक संस्कृति के प्रहरी थे महाशय पालेराम

महाशय पालेराम की यह खासियत थी कि वे मंच पर केवल गाते नहीं थे, बल्कि अभिनय, हास्य और व्यंग्य के माध्यम से समाज में व्याप्त विसंगतियों पर प्रहार भी करते थे। इस प्रकार वे मनोरंजन के साथ-साथ समाज सुधार का कार्य भी करते थे। अपनी प्रस्तुति के माध्यम से वे श्रोताओं के मानस पटल पर ऐसी छाप छोड़ते थे, जो लंबे समय तक स्मृति में बनी रहती थी।

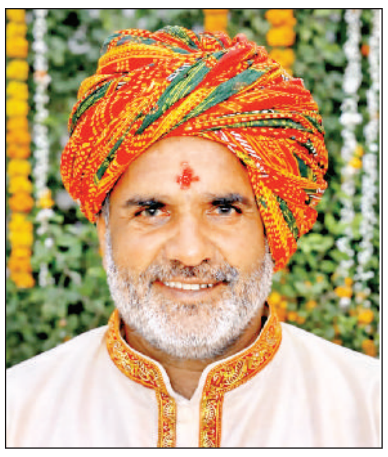

कलाकार

रामबीर सिंह 'राम'

हरियाणा की धरती सदैव से वीरों, संतों और लोककलाकारों की जन्मभूमि रही है। इस मिट्टी की खुशबू में जहां शौर्य की गाथाएं रची-बसी हैं, वहीं लोकगीतों की मधुर धुनें भी इसकी आत्मा को जीवंत बनाए रखती हैं। इसी समृद्ध लोकपरंपरा के एक उज्वल नक्षत्र थे महाशय पालेराम। महाशय पालेराम का जन्म 15 मार्च 1954 को हरियाणा के सोनीपत जिले के ऐतिहासिक गांव हलालपुर में एक साधारण परिवार में हुआ। उनके पिता का नाम चंदराम और माता का नाम किशनी देवी था।

उनका मूल नाम धर्मपाल था, परंतु स्नेहवश लोग उन्हें 'पाले' कहकर पुकारते थे। कालांतर में यही नाम उनकी पहचान बन गया। बचपन से ही उनके मन में संगीत के प्रति गहरी ललक थी। ग्रामीण परिवेश में पले-बढ़े पालेराम के जीवन में लोकगीतों, भजनों और रागनियों का वातावरण स्वाभाविक रूप से मौजूद था। गांव की चौपालों, मेलों और धार्मिक आयोजनों में गूंजने वाले भजनों और रागनियों ने उनके मन पर गहरा प्रभाव छोड़ा। संगीत के प्रति विशेष अभिरुचि के कारण उनका मन पढ़ाई में कम ही लगता था, इसलिए उन्होंने आठवीं कक्षा में ही स्कूल छोड़ दिया। पढ़ाई छोड़ने के उपरांत उन्होंने अपने पिता के कार्यों में हाथ बंटाना आरम्भ कर दिया। उन दिनों हलालपुर में जाने-माने गायक बलबीर सिंह के बहुत कार्यक्रम होते थे। जब भी बलबीर सिंह का उनके गांव में आगमन होता, बालक पालेराम का अधिकांश समय उन्हीं के साथ व्यतीत होता। बालक पालेराम के संगीत प्रेम को देखकर बलबीर सिंह ने उन्हें अपना शिष्य बना लिया। इसके बाद पालेराम ने काफी समय तक अपने गुरु के प्रति श्रद्धावनत हो पूर्ण समर्पण के साथ शिक्षा ग्रहण की और संगीत की गहराइयों को आत्मसात किया।

उनका ध्येय मात्र एक लोकगायक बनना नहीं, वरन् एक लोकसाधक बनना था, जिसे कालांतर में उन्होंने बखूबी सिद्ध किया। तदुपरान्त पालेराम ने सन् 1973 में अपनी मंडली बनाकर गायन की शुरुआत की। उनकी गायकी में हरियाणवी बोली की मिठास, लोकजीवन की सादगी और भावनाओं की गहराई स्पष्ट झलकती थी। वे सामाजिक विषयों को भी अपने गीतों में प्रमुखता से स्थान देते थे। उनके गीतों में नैतिकता, भाईचारा, सामाजिक समरसता और मानवीय मूल्यों का संदेश विद्यमान होता था। इन विशेषताओं के साथ-साथ उनकी हास्य कला अद्भुत थी। इसी कारण वे शीघ्र ही हरियाणा के मूर्धन्य लोक गायकों की श्रेणी में शामिल हो गए। उनके मंच पर आते ही श्रोताओं के चेहरे खिल उठते थे। जब वे रागनी गाते थे, तो श्रोता मंत्रमुग्ध होकर आनंद से झूमने लगते थे। उनकी यह खासियत थी कि वे मंच पर केवल गाते नहीं थे, बल्कि अभिनय, हास्य और व्यंग्य के माध्यम से समाज में व्याप्त विसंगतियों पर प्रहार भी करते थे। इस प्रकार वे मनोरंजन के साथ-साथ समाज सुधार का कार्य भी करते थे। अपनी प्रस्तुति के माध्यम से वे श्रोताओं के मानस पटल पर ऐसी छाप छोड़ते थे, जो लंबे समय तक स्मृति में बनी रहती थी। उनके पास गायन की सम्मोहक शैली का नायाब जादू था।

उनकी डोल्ली और उनके अंगों की विशिष्ट थिरकन के लोग दीवाने थे। यही कारण है कि उनकी कला ने न केवल जनमानस का मनोरंजन किया, बल्कि लोक संस्कृति को भी समृद्ध किया। धीरे-धीरे उनकी लोकप्रियता हरियाणा की सीमाओं को लांघकर पड़ोसी राज्यों तक फैलने लगी। उन्होंने उत्तर प्रदेश, दिल्ली और राजस्थान के अनेक स्थानों पर अपने कार्यक्रम प्रस्तुत किए। जहां भी वे गाते, वहां जनसैलाब उमड़ पड़ता था। उनकी गायकी में लोकसंस्कृति की शुद्धता और गरिमा स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती थी। वे हमेशा शुद्ध हरियाणवी रागनियां गाते थे और कभी भी फूहड़ या अश्लील गीतों का सहारा नहीं लेते थे। उनका मानना था कि लोकसंगीत समाज का दर्पण होता है और इसे मर्यादित रूप में प्रस्तुत किया जाना चाहिए। वे अक्सर कहा करते थे कि ऐसे गीत गाने चाहिए जिन्हें पूरा परिवार एक साथ बैठकर सुन सके। इसी कारण उन्होंने अपने पूरे जीवन में कभी भी अश्लील गीत नहीं गाए और इस प्रवृत्ति का खुलकर विरोध भी किया। उनके अनुसार कलाकार का कर्तव्य केवल तालियां बटोरना नहीं, बल्कि समाज को सही दिशा देना भी होता है। हरियाणवी रागनी गायन की परंपरा के उस स्वर्णिम काल में अनेक सिद्धहस्त कलाकार अपनी कला का परचम लहरा रहे थे। राजकिशन अगवानपुरिया, मास्टर सतबीर भैंसवालिया, जगबीर कारोरिया, बाऊराम, ब्रह्मानंद, चंदन, बाली शर्मा, रमेश कलावड़िया तथा रणबीर बडवसनिया जैसे अनेक प्रतिष्ठित नाम उस समय रागनी मंच को आलोकित कर रहे थे। ऐसे प्रतिभाशाली कलाकारों के मध्य महाशय पालेराम दहिया ने भी अपने असाधारण गायन कौशल और सशक्त प्रस्तुति के बल पर विशिष्ट पहचान स्थापित की। इन सभी ख्याति प्राप्त फनकारों के साथ उनके अनेक रंगकाट मुकाबले हुए, जिनमें उन्होंने कई बार अपनी कला की विजय पताका फहराते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। यद्यपि उनके मुकाबले लगभग प्रत्येक कलाकार के साथ अत्यंत सफल और लोकप्रिय होते थे, तथापि मास्टर सतबीर भैंसवालिया के साथ उनकी जोड़ी विशेष रूप से दर्शकों के हृदय में बस गई थी। यह अद्वितीय संगति लगभग चार दशकों तक निरंतर मंचों पर अपना जलवा दिखाकर श्रोताओं को रोमांचित करती रही। वह समय ऐसा था, जब उनके प्रशंसकों के बीच इस जोड़ी की लोकप्रियता चरमोत्कर्ष पर थी। ग्रामीण अंचलों में लोग अपने बच्चों के विवाह जैसे शुभ अवसरों पर इनके कार्यक्रम को अनिवार्य मानते थे। इतना ही नहीं, यदि नियत तिथि पर यह युगल उपलब्ध न हो पाता, तो अनेक परिवार अपने बच्चों के विवाह की तिथि तक परिवर्तित कर देते थे, ताकि इन दोनों महान लोकगायकों की सुरमयी प्रस्तुति उनके उत्सव को गौरवान्वित कर सके। महाशय पालेराम के जीवन का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी था कि उन्होंने कभी धन को अपनी प्राथमिकता नहीं बनाया। जो भी मान-सम्मान और पारिश्रमिक उन्हें मिलता, उसे वे सहज भाव से स्वीकार कर लेते थे। उनका मानना था कि "कला को बेचा नहीं जाता, कला का प्रचार किया जाता है।" इस विचारधारा के कारण वे लोकसंगीत के क्षेत्र में एक आदर्श कलाकार के रूप में देखे जाते थे। उन्होंने अपने कार्यक्रमों के माध्यम से अनेक मंदिरों, चौपालों और गोशालाओं के निर्माण के लिए चंदा एकत्रित करवाया।

उनके प्रयासों से कई सामाजिक और धार्मिक कार्यों को बल मिला। वे मानते थे कि कलाकार का दायित्व केवल मंच तक सीमित नहीं होना चाहिए बल्कि उसे समाज के कल्याण में भी योगदान देना चाहिए। उनके अनुसार हरियाणा लोकगायन परंपरा केवल एक कला नहीं, बल्कि सामाजिक परिष्कार का माध्यम है। महाशय पालेराम ने इस परंपरा को जीवित रखने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे गांव-गांव जाकर कार्यक्रम करते थे और लोगों को अपनी संस्कृति से जोड़ते थे। महाशय पालेराम ने लोक गायकी के माध्यम से न केवल मनोरंजन किया बल्कि सामाजिक और आध्यात्मिक संदेशों को भी जन-जन तक पहुंचाया। उनके द्वारा गाई गई अनेक रागनियां जैसे- हे मानव शुभ कर्म कर्या कर, तेरी काशीजी का रूल, गंगाजी तेरे खेत मैं, तेरी महारानी कै बेटा होग्या, बादल झुकरे बिज्जल पाटैं, साधु सैं घरबारी कोन्या, गिण कै दे लिए बोल, सिर मैं भड़क आंख मैं पाणी, सारी नगरी हे मां मेरी सो रही री- उस दौर की भांति आज भी हरियाणवी लोक संगीत प्रेमियों के बीच उतनी ही लोकप्रिय हैं। उन्होंने आकाशवाणी और दूरदर्शन के माध्यम से भी हरियाणा की लोककला को व्यापक पहचान दिलाने में अहम भूमिका निभाई। उनके गाए गीतों के दौर ने हरियाणवी संगीत के प्रसार को एक नई दिशा और गति प्रदान की थी।

> **लोक गायन और हरियाणवी लोकसंस्कृति में उनके असाधारण योगदान को देखते हुए 1 नवंबर 2010 को हरियाणा दिवस के अवसर पर हरियाणा सरकार ने उन्हें प्रतिष्ठित "फौजी जाट मेहर सिंह अवार्ड" से सम्मानित किया। यह सम्मान उनके लंबे और समर्पित कलात्मक जीवन की सार्वजनिक स्वीकृति थी।**

उन्होंने एक लोकगायक के रूप में 15,000 से अधिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रस्तुति दी। लोक गायन और हरियाणवी लोकसंस्कृति में उनके असाधारण योगदान को देखते हुए 1 नवंबर 2010 को हरियाणा दिवस के अवसर पर हरियाणा सरकार ने उन्हें प्रतिष्ठित "फौजी जाट मेहर सिंह अवार्ड" से सम्मानित किया। यह सम्मान उनके लंबे और समर्पित कलात्मक जीवन की सार्वजनिक स्वीकृति थी। इस पुरस्कार ने उनके योगदान को और अधिक प्रतिष्ठा प्रदान की। "हंसना-हंसाना ही जीवन है" फलसफे के पैरोकार महाशय पालेराम 24 मई 2023 को सदा के लिए हरिचरणों में लीन हो गए। उनका जाना केवल एक व्यक्ति का अवसान नहीं था, बल्कि एक युग का अंत था। उनके साथ हरियाणवी लोकगायकी की एक सशक्त आवाज मौन हो गई। किंतु आज भी हरियाणा सहित उत्तर भारत के अनेक राज्यों के गांवों की चौपालों, मेलों और सांस्कृतिक आयोजनों में जब उनके भजन-रागनियों का उल्लेख होता है, तो लोग श्रद्धा और गर्व के साथ उनका नाम लेते हैं। उनकी सुरीली आवाज और भावपूर्ण गायन शैली श्रोताओं के दिलों में आज भी जीवित है। उनके भजन-रागनी सदैव लोगों की स्मृतियों में रचे-बसे रहेंगे।

लोकप्रियता अक्सर कलाकार को अहंकार की ओर ले जाती है, लेकिन पालेराम का व्यक्तित्व इससे परे था। वे सरल, विनम्र और सहज स्वभाव के व्यक्ति थे। उनकी वाणी में मधुरता थी और व्यवहार में अपनापन। उनके सुर, उनकी शैली, उनकी सादगी और उनका व्यक्तित्व सदैव स्मरणीय रहेगा। उन्होंने हरियाणा की लोकसंस्कृति को जो ऊंचाई दी, वह सदैव इतिहास के पन्नों में स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगी। वर्तमान में महाशय पालेराम की इस गौरवशाली एवं समृद्ध सांगीतिक परंपरा को उनके शिष्य नरेन्द्र खरकरामजी, राजेश हाथी, अमित रोहणा, मनदीप मलिक लाख, महेंद्र छारा, धर्मबीर लोवा और सुनील कुमार हलालपुर आदि पूर्ण निष्ठा, समर्पण और आदरभाव के साथ आगे बढ़ा रहे हैं। वे अपने पूज्य गुरुजी की सादगी, सुरों की मधुरता और लोकसंस्कृति के प्रति समर्पित भाव को आत्मसात करते हुए रागनी गायन की उस अमूल्य धरोहर को निरंतर जीवंत बनाए हुए हैं। इस प्रकार वे न केवल अपने गुरुजी की स्मृतियों को सजीव रखे हुए हैं, बल्कि हरियाणवी लोकसंगीत की उस प्रतिष्ठित परंपरा को भी नई पीढ़ी तक पहुंचाने का सराहनीय कार्य कर रहे हैं।

व्यंग्य

पूजा गुप्ता

तड़के का फड़का

आजकल बड़ा ट्रेंड चला है इंस्टाग्राम और यूट्यूब में। फलाने -ढिकाने के चैनल चल पड़े हैं। 'बिना तेल-मसाले के कैसे पकौड़े बनायें', 'सिर्फ दो चीजों से कैसे टेस्टी नाश्ता बनायें' वगैरह-वगैरह। लहसुन के दाम में सुरसा सी महंगाई, इनके बिना भोजन जैसे 'भैरो बाबा का भंडारा।' दावे भी अजब-गजब हैं इन चैनल वालियों के। एक आंटी अपने एक वीडियो में दावा कर रही थी कि 'बिना बेले पूड़िया कैसे तलें!' ये सुनकर दिमाग चकरा गया।

एक दीदी तो एक ग्लास दूध से आधा किलो बर्फी बनाने की बात कर रही थी। मतलब मिठाइयों की दुनिया में इससे बड़ी क्रांति हो ही नहीं सकती थी। एक वीडियो वाली दीदी ने तो हद ही कर दी। 'बिना पनीर के कैसे पनीर की सब्जी बनायें।' मतलब इस दीदी के आगे पीसी सरकार भी फेल। मैंने भी दीदी को पदवी दे ही डाली, 'रसोई के रंग, मंथरा दीदी के संग।' एक दिन एक अनजान नंबर से फोन आया कि कृपया लाइक और सब्सक्राइब करें हमारा फूड चैनल.. ! 'स्वादलोलुप कक्की का चौका।'

उसके तुरन्त बाद उसी नंबर से फोन आया तो पता चला कि गांव की 'गप्पी काकी' ने यह चैनल बनाया है। ये वही 'गप्पी काकी' हैं जिनके गप्पे के चलते सास उन्हें सिखाते-सिखाते परलोक सिधार गयीं लेकिन रोटी गोल बेलना नहीं सिखा पायीं। इससे बढ़िया तो घर के तड़के की बात अलग है। जो एक बूंद सरसों के तेल में साबूत लाल मिर्च जलाती है अम्मा, और खंसवा-खंसवा कर हमारी अंतड़ियां मुंह के रास्ते निकलवा देती है। उसके अलौकिक तड़के के सामने सब कुछ फेल ही है। सब कुछ देखने-सुनने के बाद यही निष्कर्ष निकला कि सचमुच 'टीवी वाली दीदी, आंटी की थाली से बेहतर अपनी 'अम्मा की गाली और थाली' ही बेहतर है।

कविता

मनजीत सिंह

अपणा कर्म अपणे आगे

जैसी करणी वैसी भरनी, ये जग का साचा फेरा,
आज बोया सै जो तू, कल काटेगा वो ढेरा,
झूठ की चादर ओढ़ ले चाहे, साच रहै ना हारा,
समय आवे जब हिसाब का, खुल ज्या सारा पसारा।

जीते जी जो बूंद ना दे, प्यासे नै इक घूंट,
मरणे पाछे भोग धरावै, करै दिखावे लूट,
मां-बाप नै तज कै बैठा, जग मैं बनै सयाणा,
ओही बालक कल देखिये, तेरै तै मुँह फेर जाणा।

सगे-संबंधी हाल ना पूछें, जब तक साँस चलै,
दुख की घड़ी मैं दूर खड़े, ना कोई पास मिलै,
मरणे पाछे रोवण लागें, करैं आँसू का नाटक,
मन मैं रत्ती भर दुख ना, बस दिखावे का झटका।

गाँव-गली मैं नाम कमावै, ऊँची-ऊँची बात,
भीतर सै खोखला होवै, झूठी उसकी जात,
कीकर बो कै आम की आस, कैसी ये अंधियाणी,
जैसी धरती वैसा फल दे, ये प्रकृति की कहानी।

कहै मन का साचा दरपन, कर्मां तै मत भाग,
आज नहीं तो काल सही, मिले कर्म का भाग,
तेर-मेर का झगड़ा छोड़ दे, सबका लेखा-जोखा,
ऊपर बैठा देख रह्या सै, ना कोई उसका धोखा।

हर घर की अजब कहानी, हर जीव का अलग फेरा,
पर न्याय की डोरी मजबूत सै, मनजीत ना टूटे ये घेरा,
जैसी करणी वैसी भरनी, मान ले बात सयाणी,
कर्म बिना ना छूटे कोई, यही सै सच्ची बाणी।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

शासन

15 अगस्त 1857 को भीषण युद्ध में कई क्रान्तिकारी वीरगति को प्राप्त हुए, अंग्रेज सेना के भी काफी सैनिक हताहत हुए

खरखौदा में भी लड़ा गया था अंग्रेजों से रक्त रंजित युद्ध

इतिहास

यशपाल गुलिया

वर्ष 1857 के स्वतन्त्रता संग्राम के दौरान हरियाणा क्षेत्र में अनेक उल्लेखनीय युद्ध लड़े गए थे। जैसे सिरसा जिले के ओढा कस्बा और वैरिका गांव, हिसार में मंगाली गांव और बल्ला गांव में, रोहतक, नारनौल व मेवात क्षेत्र में युद्ध लड़े गए।

उसी अवधि में सोनीपत के कस्बे खरखौदा में भी 15 अगस्त 1857 को एक रक्त रंजित युद्ध हुआ था। यह पंजाब कवैलरी नामक बटालियन के बागी रिसलदार बिसारत अली के नेतृत्व में लड़ा गया था। संग्राम के दौरान अंग्रेजों की विशाल सेना दिल्ली की रिज पर डेरा डाले हुए थी। अंग्रेज सेना दिल्ली पर फिर से अधिकार प्राप्त करने के लिए चार मास तक प्रयास करती रही थी। उस मुख्य अंग्रेज सेना को हरियाणा की तरफ से पीछे से आक्रमण होने का खतरा बना रहा था, जिसके लिए अंग्रेज बार-बार दिल्ली को रिज से सैनिक टुकडी भेजकर सेनानियों पर आक्रमण करते थे। उसी क्रम में दिल्ली रिज पर स्थित अंग्रेजों ने खरखौदा में एक सेना भेजी थी। दरअसल, उनको समाचार मिला था कि प्रथम पंजाब कवैलरी के बहुत से बागी घुड़सवार खरखौदा में इकट्ठे हो चुके हैं। तब अंग्रेजों ने दिल्ली से विलियम हड़सन के नेतृत्व में एक उपयुक्त सेना 14 अगस्त 1857 को भेजी। अंग्रेजों द्वारा उस संकलित सेना में 25 सैनिक जीन्द राजा के थे। सेनानियों ने भी उपयुक्त तैयारी कर ली थी, जिनका नेतृत्व बिसारत अली नामक रांघड़ कर रहा था। उसने आसपास के क्षेत्र हसनगढ़ आदि के सहजातीय रांघड़ युवाओं को संगठित कर लिया था। इसी क्रम में रोहतक के किले में बाबर खां रांघड़ के नेतृत्व में सेनानियों की एक सेना इकट्ठी हो गई थी। हालांकि, सभी के संगठित होकर दिल्ली स्थित अंग्रेज सेना पर पीछे से आक्रमण करने की उनकी योजना क्रियान्वित होने से पहले ही अंग्रेजों ने खरखौदा में अपनी सेना भेज दी। इस प्रकार बिसारत अली की सेना व हडसन अंग्रेज की सेना के मध्य 15 अगस्त 1857 को एक भीषण युद्ध हुआ। इसमें बिसारत अली सहित अनेक क्रान्तिकारी वीरगति को प्राप्त हुए तथा अंग्रेज सेना के भी काफी सैनिक हताहत हुए। हडसन अंग्रेज को विजयश्री मिली तथा 16 अगस्त को उसकी सेना रोहतक की ओर कूच कर गई। खरखौदा के युद्ध में चार्ल्स गफ नामक अंग्रेज को विक्टोरिया क्रॉस प्राप्त हुआ था, जिससे उस युद्ध की भीषणता का आभास होता है। हरियाणा क्षेत्र में लड़े गए युद्धों में वह प्रथम विक्टोरिया क्रॉस था। उसके बाद दो विक्टेरिया क्रॉस नारनौल की सराय में लड़े गए युद्ध में दिए गए थे। इसको कुछ लेखकों ने केवल नसीबपुर का युद्ध लिखा है, जबकि वास्तव में वह युद्ध हुस्ना वाला बाग नारनौल शहर व सराय बालमुकुन्द के अहाते में भी लड़ा गया था। सराय के समीप ही अंग्रेज कमान्डर जेरारड की गोली लगने से मृत्यु हुई थी। खरखौदा युद्ध के बाद 26-27 अगस्त को नजफगढ़ में भी एक भीषण युद्ध हुआ था, लेकिन आश्यर्यजनक रूप से उपरोक्त युद्धों का वर्णन विद्यार्थियों की पाठ्यपुस्तकों में शामिल नहीं किया गया, जबकि ऐतिहासिक 1857 के संग्राम को गदर के नाम से ज्यादा प्रचारित किया गया है। लेखक ने (हरियाणा के अज्ञात युद्ध) नामक अपनी पुस्तक में सभी मुद्दों का विस्तारपूर्वक वर्णन किया है।

सोनीपत जिले के खरखौदा कस्बे में 15 अगस्त 1857 को हुए भीष्ण युद्ध के दौरान अंग्रेज सेना से भिड़ते क्रान्तिकारी। (सांकेतिक चित्र)

> खरखौदा के युद्ध में चार्ल्स गफ नामक अंग्रेज को विक्टोरिया क्रॉस प्राप्त हुआ था, जिससे उस युद्ध की भीषणता का आभास होता है। हरियाणा क्षेत्र में लड़े गए युद्धों में वह प्रथम विक्टोरिया क्रॉस था।

प्रकृति का चितेरा कलाकार है अमन यादव

चित्रकार

डा. ओमप्रकाश कादयान

जब हम बाग-बगीचों में जाते हैं तो एक से बढ़कर एक सुन्दर पेड़-पौधों, फूलों, पत्तों को देखकर आकर्षित होते हैं। यात्राओं पर जाते हैं तो पहाड़ों, जंगलों, वादियों, नदी, झरनों, झीलों, रंगीन पक्षियों को देखकर प्रफुल्लित हो जाते हैं। कुदरत का ये वो आकर्षण होता है जो सबको आकर्षित किए बिना नहीं रहता। आम आदमी ये नजारे देखकर आल्हादित हो जाता है तो एक छायाकार प्रकृति के उस सौन्दर्य को स्थाई बनाने के लिए अपने कैमरे में कैद कर लेता है। एक कवि-लेखक अपनी रचनाओं में शब्दों के माध्यम से ढालने की कोशिश करता है, तो एक कुशल चित्रकार रंगों व बुरश के माध्यम से कागज या कैनवास पर चित्रित करके प्रकृति की भांति दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित करता है।

प्रकृति का चितेरा दक्ष कलाकार जब किसी भी सुंदर दृश्य को कैनवास पर बनाता है तो यथार्थ के साथ-साथ उसमें कल्पनाओं के भी रंग भरकर उसे अधिक मनोहारी बना देता है। प्रकृति की नकल करना इतना आसान नहीं है, किन्तु अनुभवी व रंगों से खेलने वाला कुशल चित्रकार ये कमाल कर देता है। हमारे ही बीच में कुछ कलाकार हैं जो चमत्कारी ढंग से प्रकृति के दिव्य दृश्यों को सजीव-से बना डालते हैं। ऐसे एक कलाकार का नाम है-अमन कुमार यादव।

रेवाड़ी जिले के मुण्डिया खेड़ा गांव में मोहनलाल यादव व सरदारी देवी के घर जन्मा अमन यादव आज कला क्षेत्र का उभरता नाम है। अमन को प्रकृति तथा अपनी सांस्कृतिक विरासत, ग्रामीणांचल से काफी लगाव है। यही कारण है कि इनके चित्रों के अधिकतर विषय भी यही हैं। युवा चित्रकार अमन के चित्रों में प्रकृति के विभिन्न रूप देखने को मिलते हैं। बहुत से चित्रों में हरी घास के मैदान, लहलहाती फसलें, चहकती-आकर्षित करती सुंदर वादियां, सदाबहार जंगल, देवदार-चीड़ अन्य पहाड़ी दरखतों, झाड़ियों, जड़ी-बूटियों से लदे पहाड़, उससे ऊपर ग्लेशियरों से ढकी चोटियां, चोटियों पर मण्डराते, उमड़ते-घुमड़ते मेघों के समूह, कुछ चित्रों में रंगीन पेड़ों की कतारें, पहाड़ों के बोलते से लगते पत्थर, कहीं बरसात का भीगा मौसम, नभ-मण्डल पर उड़ते पंछियों की कतारें, संध्याकाल में सूर्य की लालिमा दृश्यों को देती स्वर्णिम आभा, सोने के रंग में तब्दील होते ग्लेशियर, ये सब दृश्य इनके चित्रों का हिस्सा हैं। अमन ने अपने चित्रों में हवा को गति, नदियों को वेग, झरनों को संगीत देने का प्रयास किया है। अमन के कुछ चित्रों में तो इतना आकर्षण भरा है कि स्वप्न-लोक-सा लगता है। चित्रकार ने भारतीय पक्षियों की सुंदरता भी कैनवास पर चित्रित की है। इनकी पेंटिंग दर्शकों से सीधा संवाद करती प्रतीत होती हैं। युवा चित्रकार अमन यादव को प्रकृति के साथ-साथ अपनी संस्कृति, गांव-देहात, जन-जीवन, खेत-क्यार, ग्रामीण रीति-रिवाजों से भी विशेष लगाव है। इन्होंने अपने चित्रों में पनघट परम्परा, कुएं-जोहड़, काम करती, पानी भरकर लाती महिलाएं, किसान की संघर्ष गाथा को भी स्थान दिया है। इसके साथ-साथ प्राचीन कलात्मक इमारतें, मंदिर, देवी-देवताओं के चित्र बनाए हैं। हरियाणा में चौपालें, तालाब, छतरियां, कुएं, हवेलियां, किले तथा यहां की लोककला समृद्ध रही है, ये इन्होंने चित्रों के माध्यम से बताने का प्रयास किया है। ये पोट्रेट भी सुंदर बना लेते हैं। कलाकार प्रकृति, संस्कृति के चितेरे के साथ-साथ संवेदनशील प्रवृत्ति के हैं। अमन वैसे तो हर तरह के रंगों को प्रयोग दक्षता पूर्वक कर लेते हैं, पर ये अक्रैलिक ऑयल रंगों का प्रयोग अधिक करते हैं। अमन से ये पूछने पर कि पेंटिंग की शुरूआत कैसे हुई? इसके जवाब में अमन ने बताया कि शुरुआती दौर में उन्होंने गुरु अजीत सिंह तथा प्रताप सिंह रंगीला से प्रेरित होकर सजावटी प्राकृतिक तरीके से ब्रुश चलाना सीखा। फिर मैंने खूब अभ्यास किया और अच्छी पेंटिंग बनती गई। 15 जनवरी 1979 को जन्मे अमन बीएफए की पढ़ाई करने के बाद पेंटिंग करने में जुट गए। इन्होंने गिनीज बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड के लिए 1391.74 लम्बी पेंटिंग की। 9 मार्च 2019 को भिवानी में आयोजित प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता। 13-14 अप्रैल 2019 को रेवाड़ी में आयोजित राष्ट्रीय कला कार्यशाला व रैंप शो में सर्वश्रेष्ठ कलाकार का पुरस्कार जीता। एक सितम्बर 2016 में 'आरएएस रंग आर्टस' द्वारा आयोजित गांधी आर्ट गैलरी, नई दिल्ली में अन्तर्राष्ट्रीय पेंटिंग प्रदर्शनी व सह प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता। 24 नवम्बर 2018 को रेवाड़ी में आयोजित 'प्रतिभा सम्मान' प्राप्त किया।

ये मिले पुरस्कार और सम्मान

अमन ने राष्ट्रीय व अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न प्रदर्शनियों, कार्यशालाओं, प्रतियोगिताओं में भाग लेकर बेहतर प्रदर्शन किया। इन्हें अनेक जगह सम्मानित किया गया। गिनीज बुक्स ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड पेंटिंग-पीपल आफ मेरठ में इनका नाम शामिल किया गया। इन्हें कला निधि पुरस्कार, शोभा सिंह पुरस्कार, यादव गौरव पुरस्कार, कला रत्न पुरस्कार तथा अचीवमेंट अवार्ड सहित कई सम्मान मिले।

खबर संक्षेप

बाइक छीनने के मामले में 2 आरोपित गिरफ्तार

नारनौल। थाना नांगल चौधरी पुलिस ने एक राहगीर के साथ मारपीट कर उसकी बाइक छीनने के मामले में दो आरोपित सचिन व मोनू निवासी थनवास को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने इन दोनों आरोपितों को प्रोडक्शन वारंट पर लाकर इस मामले में गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपित पहले से ही लूटपाट के एक अन्य मामले में जिला जेल नसीबपुर में बंद थे। जहां से इन्हें प्रोडक्शन वारंट पर लाकर इस मामले में गिरफ्तार किया गया। आरोपितों ने एक चोरी की वारदात को भी अंजाम दिया था। शिकायतकर्ता ठाकुर निवासी गांव बनेठी ने थाना नांगल चौधरी में दी शिकायत में बताया था कि आठ नवंबर को दोपहर करीब तीन बजे जब वह सांगावाली ढाणी स्थित अपने स्टूडियो से लौट रहा था, तब थनवास में एक निजी स्कूल के पास अज्ञात युवकों ने उसे रोका। आरोपितों ने उसके साथ गाली गलौज व मारपीट की तथा उसके दोस्त की बाइक छीनकर मौके से फरार हो गए।

जींद में 23 को होगी इनेलो की जनसभा: सुधीर यादव

कनीना। इंडियन नेशनल लोकदल की ओर से शहीद भगत सिंह जन्म दिवस के मौके पर 23 मार्च को जींद में आयोजित होने वाली जनसभा ऐतिहासिक होगी। जिसे युवा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय प्रभारी करण चौटाला सहित पार्टी के सुप्रीमो सम्बोधित करेंगे।

अटेली विधानसभा के युवा प्रभारी एडवोकेट सुधीर यादव ने बताया कि प्रदेश स्तरीय इस युवा सम्मेलन में प्रदेशभर से कार्यकर्ता हिस्सा लेंगे। जींद की नई अनाज मंडी में सभी जिलों से आने वाले कार्यकर्ताओं को पहुंचने में आसानी रहेगी। सुधीर यादव ने कहा कि बीजेपी सरकार में घरेलू गैस की किल्लत रसोईघर के लिए बाधा बन गई है। युवा सम्मेलन में पूरे हरियाणा के सभी जिलों से युवा आएंगे और सरकार की युवा व जनविरोधी नीतियों के खिलाफ हुंकार भरेंगे।

बागवानी : विभाग की आर्थिक मदद और मार्गदर्शन मिलने पर एक ही एकड़ में खाद्यान अनाज, पशुचारा व नकद आमदनी की हूई आपूर्ति

किन्नू की फसल में सब्जी व गेहूं की बुवाई करके किसान ने 3 गुणा बढ़ाई आमदनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| निजामपुर

आवश्यकता ही अविष्कार की जननी है। यह मारोली गांव के छोटे किसान शुभराम ने साबित करके दिखा दिया। इस किसान के पास केवल दो एकड़ जमीन है, लेकिन उन्होंने आधुनिक तकनीक की मदद से एक साथ तीन फसलों की पैदावार लेने का फार्मूला तैयार किया है। एक एकड़ रकबे पर किन्नू की फसल खड़ी करके गेहूं और सब्जी की बुवाई करना आरंभ कर दिया। अब एक साथ खाद्यान अनाज, पशुचारा तथा नकद आमदनी के स्रोत खुल गए। इस तकनीक में बागवानी विभाग की आर्थिक सहायता तथा मार्गदर्शन की बड़ी भूमिका रही है। आपको बता दें कि नांगल चौधरी, निजामपुर ब्लॉक डार्कजोन में शामिल हैं। दोनों खंडों के अधिकांश गांवों में पेयजल संकट बना रहता है। फसल सिंचाई का संकट उत्पन्न होने पर मारोली गांव के किसान शुभराम पुत्र लीलाराम ने आधुनिक तकनीक से खेतीबाड़ी करने की योजना बनाई। इसी दौरान बागवानी विभाग ने गांव में सेमिनार लगाकर कम पानी में पकने वाली फसल उगाने का सुझाव दिया।

निजामपुर। मारोली गांव में किन्नू के पौधों पर कीटनाशक स्प्रे करता किसान शुभराम। *फोटो: हरिभूमि*

बागवानी फसल से 3 लाख सालाना आमदनी

किसान ने बताया कि खेतीबाड़ी के लिए मात्र दो एकड़ जमीन है। एक एकड़ पर परंपरागत खेती सरसों, बाजरे की बुवाई होती है। इस फसल की पैदावार से करीब 50 हजार वार्षिक आमदनी संभव हो पाती है। जबकि किन्नू, सब्जी व गेहूं की पैदावार से सालाना तीन लाख तक आय होने लगी है।

बागवानी की फसलों से बहुत अच्छा रिस्पांस मिल रहा

जिला उद्यान अधिकारी डॉ. प्रेमसिंह यादव ने बताया कि 2025-26 में जिले में 50 एकड़ जमीन पर बागवानी का टारगेट मिला था। जिसे लगभग अचीव कर लिया है और किसानों को 42 हजार प्रति एकड़ के हिसाब से किसानों को अनुदान राशि दो किस्तों में उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि बागवानी की फसलों से किसानों को बहुत अच्छा रिस्पांस मिल रहा है।

एकीकृत खेती मॉडल से पानी, बिजली और शारीरिक श्रम की हुई बचत

किसान शुभराम ने बताया कि पहले अलग अलग फसलों के लिए अलग सिंचाई, खाद और श्रम की जरूरत पड़ती थी, लेकिन अब एकीकृत खेती मॉडल से पानी, बिजली और मजदूरी तीनों में बचत हो रही है। किन्नू के बाग में नमी लंबे समय तक बनी रहती है, जिससे गेहूं और सब्जियों की पैदावार भी बेहतर होती है। वहीं सब्जियों की त्वरित बिक्री से नियमित नकद आमदनी होने लगी है। इसके अलावा सब्जी व किन्नू की पैदावार की मार्केटिंग करने में परेशानी नहीं रहती।

कार्यकर्ता के व्यक्तित्व निर्माण की प्रक्रिया है प्रशिक्षण अभियान: यतेंद्र राव

भाजपा कार्यकर्ताओं को संगठन की विचारधारा का दिया प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

भारतीय जनता पार्टी मंडल की ओर से पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन यादव धर्मशाला में किया गया। जिसमें मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष यतेंद्र राव, मीडिया पैनलिस्ट एडवोकेट राकेश शर्मा, मंडल अध्यक्ष हेमंत चौबे विशेष रूप से मौजूद रहे। प्रशिक्षण शिविर के संयोजक जगदीश दीवान व रमेश जांगिड़ रहे। सहयोगी के रूप में भूषण मंडल अध्यक्ष मनोज यादव का विशेष सहयोग रहा।

प्रशिक्षण शिविर का आयोजन मंडल अध्यक्ष हेमंत चौबे की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। शिविर का शुभारंभ भाजपा जिला अध्यक्ष यतेंद्र राव ने दीप प्रज्वलन व वंदे मातरम गीत के साथ किया। प्रथम सत्र में भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष यतेंद्र राव ने सोशल मीडिया, एआई, सरल नमो ऐप पर अपने विचार रखते हुए कहा कि वर्तमान समय में डिजिटल माध्यमों का महत्व लगातार बढ़ रहा है।

सोशल मीडिया के माध्यम से संगठन की नीतियों, सरकार की योजनाओं और सकारात्मक कार्यों को बहुत तेजी से लोगों तक पहुंचा जा सकता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को आधुनिक तकनीक का सकारात्मक और प्रभावी उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। कार्य विस्तार की दृष्टि विषय पर दयाराम यादव ने कहा कि भाजपा का संगठन देश के प्रत्येक बूथ तक मजबूत होना चाहिए। भाजपा का इतिहास, विकास व वैचारिक यात्रा पर प्रकाश डालते हुए अजीत कलवाड़ी ने कहा कि भाजपा केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के संकल्प के साथ कार्य करने वाला एक व्यापक जन आंदोलन है। किशन बोहरा ने संगठनात्मक अनुशासन व कार्यशैली पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संगठन के कार्यक्रमों व अभियानों को पूरी जिम्मेदारी के साथ सफल बनाने का आह्वान किया।

नारनौल। प्रशिक्षण शिविर में भाग लेते भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता।

उपलब्धियां जन जन तक

संदीप यादव ने कहा कि हरियाणा सरकार ने पिछले वर्षों में विकास व पारदर्शिता के क्षेत्र में अनेक ऐतिहासिक कार्य किए हैं। प्रदेश में बुनियादी ढांचे के विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, किसान कल्याण तथा युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए अनेक योजनाएं सफलतापूर्वक लागू की गई है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि सरकार की इन उपलब्धियां को गांव गांव और घर घर तक पहुंचाने का कार्य करें। डॉ. राकेश ने कहा कि भाजपा की विचारधारा, राष्ट्रवाद, सांस्कृतिक मूल्यों व समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने के सिद्धांत पर आधारित है। उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म, मानववाद के सिद्धांत को समझते हुए कहा कि यही विचारधारा भाजपा के कार्यों की आधारशिला है। रमेश तंवर ने कहा कि किसी भी चुनाव में बूथ स्तर की मजबूती अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने कहा कि

यह रहे मौजूद

इस मौके पर नगर परिषद अध्यक्ष कमलेश सैनी, भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष भारती सैनी, जोगेंद्र राजपूत, सरोज बाला, जेपी सैनी, मनीष संघी, सपना गुप्ता, सरला यादव, सरोज कश्यप, संजय अमन, सरिता जांगिड़, डॉ. आरके जांगड़ा, जगदीश पासी, अशोक अग्रवाल, सुरेश चौधरी, जगदीश दीवान, मंजू सोनी, राजेश शर्मा, सुरेश गुप्ता, रमेश जांगिड़, महेश सैनी, धीरज अग्रवाल, नरेंद्र सोनी, मनोज निर्मल, आशीष चौधरी, रिया चौहान, देवेंद्र कौशिक, शिवकुमार मित्तल, नवीन शर्मा, भवानी वर्मा, संजय प्रजापत, केशव सैनी, अंकित झिमारिया, मोहन कोहली, निहाल सैनी, ग्यारसीलाल, कृष्ण जैदिया, सुभाष सोनी, नवीन जांगिड़, ओमप्रकाश सैनी, कमल गौड़, लखन अग्रवाल, रवि चौहान, संजय शर्मा, मदनलाल गोगिया, सुरेश संघी, संजय कौशिक, विशन गोयल व रामअवतार गोयल आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

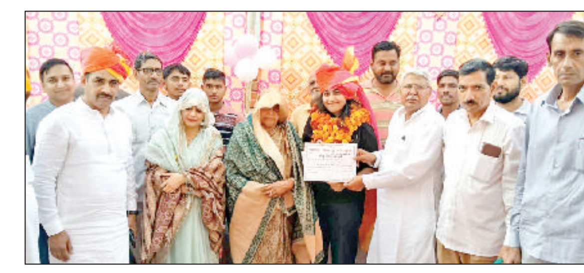

नारनौल। श्वेता तंवर को सम्मानित करते ग्रामीण। *फोटो: हरिभूमि*

खेड़ी तलवाना की बेटी श्वेता तंवर बनी भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

वीरभूमि खेड़ी तलवाना की बेटी श्वेता तंवर का भारतीय सेना में सीधे लेफ्टिनेंट पद पर चयन होने पर पैतृक गांव में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। प्रमुख समाजसेवी अतरलाल एडवोकेट के नेतृत्व में आसपास के ग्रामीणों ने श्वेता तंवर को पगड़ी पहनाकर, प्रशस्ति पत्र व अनेक उपहार भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने श्वेता के पिता मनोज तंवर को पगड़ी पहनाकर व माता योगिता को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

अतरलाल ने कहा कि श्वेता तंवर ने यह शानदार उपलब्धि हासिल कर पूरे समाज व क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उन्होंने लेफ्टिनेंट बनकर सिद्ध कर दिया है कि मेहनत से कोई भी कठिन से कठिन मुकाम हासिल किया जा सकता है। श्वेता तंवर ने अपनी उपलब्धि का श्रेय माता, पिता, परिवार, गुरुजन, कड़ी मेहनत व जुनून को दिया। इससे पहले उन्होंने बाबा भोलागिरी धाम व गांव के धार्मिक मंदिरों में धोक लगाई और शहीद सैनिकों की मूर्तियों पर माल्यापर्ण कर उन्हें नमन किया। गौरतलब है कि श्वेता का परिवार सैनिकों का रहा है।

यह रहे मौजूद

इस मौके पर पंकज सरपंच खेड़ी, रामनिवास बंसल सरपंच तलवाना, कप्तान ओमपाल सिंह, राजेंद्र सिंह नंबरदार, सूबेदार मेजर सुखपाल सिंह, मंजीत सिंह, सुरेश सिंह, रिपुदमन नंबरदार विक्टोरिया क्रॉस, पंडित विजय कौशिक, शिब्बू जैलदार, हंसराज, सरजीत, रामकुमार हेडमास्टर, कैप्टन सूरज, नरेश सेन, रामपाल सोनी, सुरेंद्र नंबरदार, ठाकुर बलजीत सिंह, सुरेन्द्र आदि ग्रामीण उपस्थित थे।

सोशल मीडिया मैसेज, कॉल और भावनात्मक दबाव बनाकर लोगों को ठग रहे साइबर ठग: एसपी मीणा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

साइबर अपराधियों की ओर से लोगों को नए-नए तरीके अपनाकर ठगा जा रहा है। एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने नागरिकों को एक नए तरीके को लेकर सतर्क रहने की अपील की है। एसपी ने बताया कि साइबर ठग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक मैसेंजर, व्हाट्सएप या अन्य माध्यमों के जरिए लोगों को मैसेज भेजकर यह झूठा दावा करते हैं कि उनका कोई रिश्तेदार विदेश में पुलिस ने पकड़ लिया है या वे कहते है कि रिश्तेदार किसी कानूनी परेशानी में फंस गया है और उसे छुड़ाने के लिए तुरंत पैसे की आवश्यकता है।

नागरिक ऐसी सूचना पर घबराकर ठग के झांसे में आ जाते है और पैस ट्रांसफर करके ठगी का शिकार हो रहे है। एसपी ने कहा कि किसी भी प्रकार के मैसेज, कॉल या सोशल मीडिया पोस्ट पर आंख बंद करके भरोसा न करें। सतर्कता और जागरूकता ही साइबर अपराध से बचाव का सबसे प्रभावी तरीका है।

साइबर ठगी से बचने के लिए सावधानियां

किसी भी मैसेज या कॉल पर तुरंत भरोसा न करें और पहले उसकी सत्यता जांच करें। यदि किसी रिश्तेदार के फंसने का संदेश मिले तो सीधे उसी व्यक्ति से फोन या वीडियो कॉल के जरिए पुष्टि करें। सोशल मीडिया पर आए किसी भी संदिग्ध मैसेज या लिंक पर क्लिक न करें। किसी भी अनजान व्यक्ति के बैंक खाते में जल्दबाजी में पैसे ट्रांसफर न करें। अपने बैंक विवरण, ओटीपी, आधार नंबर या अन्य निजी जानकारी किसी के साथ साझा न करें। संदिग्ध नंबर या अकाउंट को तुरंत ब्लॉक करें और इसकी जानकारी तुरंत पुलिस को दें।

साइबर फ्रॉड होने पर तुरंत करें शिकायत

यदि किसी भी प्रकार की साइबर धोखाधड़ी होती है तो तुरंत 1930 साइबर हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करें या साइबरक्राइम.जीओवी.इन पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं। समय रहते शिकायत दर्ज कराने से ठगी की गई राशि को वापस मिलने की संभावना बढ़ जाती है।

नारनौल। शहर में प्रभात फेरी निकालते श्रद्धालु। *फोटो: हरिभूमि*

प्रभातफेरी की भक्ति में डूबी कॉलोनी

नारनौल। श्रीराधा कृष्ण प्रभातफेरी संगठन के तत्वावधान में रविवार को 165वीं प्रभात फेरी अजीत जैन व दीपक जैन के सेक्टर हुडा के निवास स्थान से निकाली गई। जिसका शुभारंभ मुख्य यजमान अजीत जैन ने अपने परिवार के साथ राधा रानी की पूजा कर सभी श्रद्धालुओं को चंदन तिलक लगाकर किया। प्रभात फेरी में सैकड़ों की संख्या में बच्चे, बुजुर्ग, महिला, पुरुष व युवा श्रद्धालु शामिल हुए। जिन्होंने जो ढोल नगाड़ों की मधुर थाप पर राधे राधे का गुणगान किया। परिक्रमा स्थल पर डॉ. रावत व कलवाड़ी ने ठाकुर जी की आरती की। मार्ग में श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बनता था। वातावरण ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो वृंदावन, मथुरा, गोवर्धन व बरसाना की कुंज गलियां नारनौल में संजीव हो उठी हों। संपूर्ण वातावरण प्रेम, शांति, समर्पण व आनंद के भाव से ओतप्रोत रहा। इसी क्रम में संगठन के तत्वावधान में 22 मार्च को सुरेश चौबे मोहल्ला रावका के निवास स्थान से प्रभात फेरी निकाली जाएगी।

गुजरवास मोड़ के पास स्पीड ब्रेकर व साइन बोर्ड का अभाव

- गुजरवास मोड़ अटेली क्षेत्र का एक व्यस्त स्थान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

नारनौल-रेवाड़ी रोड पर स्थित नेशनल हाईवे 148 पर अटेली के गुजरवास मोड़ के पास सर्विस रोड पर स्पीड ब्रेकर और चेतावनी साइन बोर्ड नहीं होने के कारण आए दिन दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है।

लोगों का कहना है कि इस मोड़ पर वाहनों की आवाजाही काफी अधिक रहती है, लेकिन सड़क पर किसी प्रकार का चेतावनी संकेत या स्पीड कंट्रोल व्यवस्था नहीं होने से वाहन चालक तेज गति से गुजरते हैं, जिससे हादसे होने की आशंका बनी रहती है। ग्रामीणों के अनुसार गुजरवास मोड़ अटेली क्षेत्र का एक व्यस्त स्थान है, जहां से आसपास के कई गांवों के लोग रोजाना आवाजाही करते हैं। यहां से गुजरवास, अटेली, सिहमा और आसपास के अन्य गांवों के लोग मुख्य मार्ग पर चढ़ते-उतरते हैं।

दोपहिया वाहन, ऑटो, ट्रैक्टर-ट्रॉली और अन्य छोटे-बड़े वाहन भी बड़ी संख्या में इस रास्ते से गुजरते हैं, लेकिन मोड़ के पास किसी प्रकार का चेतावनी बोर्ड नहीं होने से बाहरी वाहन चालकों को यह अंदाजा नहीं लग पाता कि आगे मोड़ है, जिसके कारण वे तेज गति से ही वाहन चलाते रहते हैं। मोड़ से रेवाड़ी की ओर लगभग 500 मीटर की दूरी पर अटेली अंडरपास के पास स्पीड ब्रेकर बनाया गया है, लेकिन मोड़ के ठीक पास ब्रेकर नहीं होने से वाहन चालक बिना गति कम किए ही मोड़ पार कर जाते हैं।

मंडी अटेली। नेशनल हाईवे पर गुजरवास मोड़ पर नहीं है ब्रेकर। *फोटो: हरिभूमि*

चार सौ से अधिक लोगों ने उठाया नि:शुल्क चिकित्सा जांच शिविर का लाभ

रेवाड़ी। स्वास्थ्य जांच शिविर का शुभारंभ करते अतिथि।

रेवाड़ी। रविवार को झज्जर रोड़ स्थित आशियाना वृद्धाश्रम में नि:शुल्क चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन बाबा फरीद सेवा ट्रस्ट, श्रीराम शाखा भारत विकास परिषद और आईएमए के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। शिविर में 415 मरीजों की स्वास्थ्य जांच की गई। इनके अलावा 129 लोगों की नि:शुल्क रक्त जांच की गई। कैंप में मरीजों को नि:शुल्क दवाईयां भी वितरित की गईं। मरीजों को चिकित्सकीय परामर्श अनुसार नि:शुल्क अल्ट्रासाउंड व एक्स-रे जांच की सुविधा भी दी गई। चिकित्सा शिविर में डा. रवि यादव, डा. विक्रम यादव, डा. दीपक यादव, डा. प्रशांत यादव, डा. नीरज यादव, डा. सिद्धार्थ यादव, डा. प्राची जैन, डा. नीरज अग्रवाल, डा. हेमंत यादव, डा. सोनम बत्रा और डा. अनुपमा मक्कर सहित अनुभवी चिकित्सकों की टीम ने अपनी सेवाएं दी। शिविर में जनरल फिजिशियन, हड्डीरोग विशेषज्ञ, स्त्रीरोग विशेषज्ञ, बालरोग विशेषज्ञ, नेत्ररोग विशेषज्ञ, ईएनटी विशेषज्ञ, आयुर्वेदाचार्य, हड्डीरोग विशेषज्ञ और फिजियोथेरेपिस्ट ने मरीजों की जांच की करके उचित परामर्श दिया।

इस मौके पर मुख्य अतिथि सीए अमित संघी ने स्वस्थ एवं निरोगी काया का महत्व बताया। संस्थाओं के अध्यक्ष दिनेश राजपाल, सीए जतिन सैनी व डा. नीरज यादव ने आयोजन के लिए सभी चिकित्सकों, स्वयंसेवकों और सहयोगी संस्थाओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने लोगों से इस प्रकार के चिकित्सा शिविरों का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील भी की। आयोजकों ने कहा कि भविष्य में भी इसी तरह के स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जाएगा।

16वीं बटालियन ब्रिगेड ऑफ द गाड्र्स के पूर्व सैनिकों का सम्मेलन आयोजित

सम्मेलन में देखने को मिली पूर्व सैनिकों और वर्तमान नेतृत्व के बीच भाईचारे की भावना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

शहर 16वीं बटालियन ब्रिगेड ऑफ द गाड्र्स के पूर्व सैनिकों की ओर से एक विशेष पूर्व सैनिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन यूनिट के पूर्व सैनिकों सूबेदार मेजर जगबीर सिंह सेवानिवृत्त, मानद कैप्टन वीके कौशिक सेवानिवृत्त, मानद कैप्टन कंवर सिंह सेवानिवृत्त व अन्य साथियों की ओर से किया गया। इस अवसर की विशेषता यह रही कि पूर्व सैनिकों ने अपने यूनिट के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल पवन बोहरा व सूबेदार मेजर सुरेश चंद्र को विशेष रूप से आमंत्रित किया। दोनों अधिकारियों ने कार्यक्रम में उपस्थित होकर पूर्व सैनिकों से मुलाकात की और उनके साथ आत्मीय संवाद किया।

कार्यक्रम के दौरान पूर्व सैनिकों व वर्तमान नेतृत्व के बीच गहरा जुड़ाव, आपसी सौहार्द और सैनिक भाईचारे की भावना स्पष्ट रूप से देखने को मिली। यह आयोजन इस बात का प्रतीक था कि यूनिट के सैनिकों के बीच का रिश्ता सेवानिवृत्ति के बाद भी उतना ही मजबूत बना रहता है। कमांडिंग ऑफिसर कर्नल पवन बोहरा ने पूर्व सैनिकों के योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि 16वीं बटालियन ब्रिगेड ऑफ द गाड्र्स की गौरवशाली परंपराएं व उपलब्धियां इन्हीं सैनिकों के परिश्रम, अनुशासन और बलिदान का परिणाम हैं। उन्होंने कहा कि यूनिट अपने पूर्व सैनिकों को सदैव अपने परिवार का अभिन्न हिस्सा मानती है। कर्नल बोहरा ने यह भी उल्लेख किया कि वे स्वयं हरियाणा राज्य के भिवानी जिले के निमरीवाली गांव से हैं, इसलिए वे हरियाणा के सैनिकों की परंपरा, गर्व व देश सेवा में उनके महत्वपूर्ण योगदान को भली-भांति समझते हैं।

उन्होंने कहा कि हरियाणा के लोगों में राष्ट्र सेवा के प्रति विशेष गर्व व समर्पण की भावना होती है, यही भावना सेना में उनकी विशेष पहचान बनाती है। उन्होंने पूर्व सैनिकों से नागरिक जीवन में भी अनुशासन, ईमानदारी व सकारात्मक सोच को अपनाते हुए समाज के लिए एक आदर्श नागरिक बनने का आह्वान किया। उन्होंने सभी को स्वस्थ जीवन शैली अपनाने, सामाजिक बुराइयों से दूर रहने, आपसी सहयोग तथा भाईचारे की भावना बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। कर्नल पवन बोहरा ने सभी पूर्व सैनिकों को आगामी अप्रैल में आयोजित होने वाले यूनिट के प्रस्तावित पूर्व सैनिक मिलन समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। पूर्व सैनिकों ने अपने अनुभव साझा किए और यूनिट के साथ अपने अटूट संबंधों को याद किया।

नारनौल। सम्मेलन में भाग लेते पूर्व सैनिक। *फोटो: हरिभूमि*

एक रहने का संकल्प लिया

इस अवसर पर सभी ने एक दूसरे से मिलकर पुरानी यादें ताजा की और भविष्य में भी इसी प्रकार संपर्क बनाए रखने का संकल्प लिया। यह कार्यक्रम सैनिक परंपराओं, आपसी विश्वास व भाईचारे की भावना का एक प्रेरणादायक उदाहरण बनकर सामने आया, जिसने यह सिद्ध किया कि सैनिक जीवन में बने रिश्ते समय व परिस्थितियों से परे होते हैं।

गोवंश के लिए लगाई सवामणी

नारनौल। श्री गो गोपाल प्रचार एवं असहाय सेवा संस्थान के तत्वावधान में आचार्य बजरंग शास्त्री के सानिध्य में श्री गोपाल गोशाला गो सवामणी का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम पं. मनीष शास्त्री ने यजमान प्रदीप संघी, रेखा संघी, सुरेश शर्मा, पिस्ता शर्मा व संस्था के सभी सदस्यों से श्री गणेश जी, नवग्रह सहित सभी देवी देवताओं का पूजन करवाया व गोमाता की आरती करवाई। इसके बाद हरी सब्जी, हरा चारा सहित खल, मेथी, गुड़, सरसों, तेल, नमक आदि मिलाकर सवामणी तैयार कर गोवंश को खिलाई। इस मौके पर संस्था के वरिष्ठ सदस्य मनोज अग्रवाल, राकेश बंसल, सह कोषाधयक्ष विनोद सोनी, प्रधान महेंद्र नूनीवाला, सुरेन्द्र गोयल, राजकुमार चौधरी, विनोद सोनी, सुरेन्द्र गोयल, राकेश बंसल, महेश भलोठिया, वेदप्रकाश बंसल, सुमित अग्रवाल, पवन शर्मा, तुलसी अग्रवाल, सुरेंद्र गोयल, मंजू भलोठिय, रेखा संघी, मुस्कान अग्रवाल, रमा सोनी, खुशबू अग्रवाल, रचना अग्रवाल, पिस्ता शर्मा, मंजू शर्मा आदि मौजूद थे।

दस दिन पहले बुक हुए सिलेंडर वितरित, नई बुकिंग वालों को करना पड़ेगा इंतजार

सिलेंडरों की उपलब्धता में कमी नहीं इसके बावजूद कम नहीं हो रही लाइनें

रेवाड़ी। रविवार को सेक्टर-4 स्थित इंडियन गैस एजेंसी पर लगी भीड़, सेक्टर-5 गैस एजेंसी पर लगी लाइन व मौजूद पुलिसकर्मी तथा इंडियन गैस एजेंसी के बाहर सिलेंडर लेते लोग। फोटो : हरिभूमि

पुलिस के पहरे में हो रहा वितरण

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रेवाड़ी

घरेलू गैस की उपलब्धता पर्याप्त होने के बावजूद लोगों का पैनिक कम होने का नाम नहीं ले रहा है। ग्राहकों की सुबह से ही गैस एजेंसियों पर लाइन लग जाती हैं। कमर्शियल सिलेंडर भी खास कैटेगिरी में वितरित किए जाने शुरू हो गए हैं। दस दिन पहले बुकिंग किए गए सिलेंडर दिए जाने के कारण रविवार को नई बुकिंग वाले ग्राहकों को सिलेंडर नहीं मिल सके। उन्हें अभी इंतजार करना पड़ सकता है।

गैस एजेंसियों पर भीड़ को देखते हुए पुलिस के पहरे में सिलेंडरों का वितरण कराया जा रहा है। रेवाड़ी में 22 गैस एजेंसियों पर करीब 2.50 लाख उपभोक्ता है। जिले में इंडियन ऑयल की 13 एजेंसियों पर 1.75 लाख और भारत की 9 एजेंसियों पर 75 हजार उपभोक्ता हैं। रविवार को सुबह से ही गैस एजेंसियों पर लोगों की लंबी कतार लगी रही।

प्रतिष्ठानों पर यूज हो रहे घरेलू सिलेंडर

शहर में कई स्थानों पर रेहडियों, चाय के खोखों, फास्ट फूड की स्टॉलों,छोटे रेस्टोरेंट और होटलों पर कमर्शियल सिलेंडरों की जगह घरेलू गैस सिलेंडर का उपयोग हो रहा है। कई रेहडियों पर तो दो-दो सिलेंडर स्पेयर में देखे जा सकते है। शहर के मॉडल टाउन, कोनसीवास रोड, बावल रोड, रेलवे रोड, गढ़ी बोलनी रोड, भाड़ावास रोड सहित अनेक स्थानों पर घरेलू सिलेंडरों का कमर्शियल उपयोग हो रहा है।

सिलेंडर वितरण पर टीम की निगरानी

गैस की कालाबाजारी रोकने के लिए खाद्य एवं आपूर्ति विभाग की ओर से जिले की 22 एजेंसियों पर 13 इंस्पेक्टरों की ड्यूटी भी लगा दी है। सभी 22 एजेंसियों से प्रतिदिन स्टॉक और वितरण की रिपोर्ट ली जाएगी। एएफएसओ सत्य प्रकाश को विशेष प्रवर्तन टीम का इंचार्ज नियुक्त किया गया है। टीम में एसआईएफएस जयबीर और सप्लाई इंचार्ज रविंद्र कुमार को भी शामिल किया गया है। यह टीम दुकानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर घरेलू सिलेंडर के दुरुपयोग और कालाबाजारी करने वालों को रोकेगी। इसके अलावा शिक्षण संस्थाओं और अस्पतालों के साथ-साथ बेटियों की शादी समारोह के लिए कमर्शियल सिलेंडर कमेटी की सिफारिश पर दिए जा सकेंगे। डीसी की अध्यक्षता वाली इस कमेटी में एसपी, सीएमओ, डीईओ व डीएफएससी को शामिल किया गया है।

एलपीजी वितरण पर रखी जा रही निगरानी

जिले में गैस की निर्बाध आपूर्ति के लिए पर्याप्त स्टाक उपलब्ध है। नागरिक एलपीजी की आपूर्ति को लेकर किसी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और अनावश्यक रूप से गैस एजेंसियों पर भीड न लगाएं। विभाग की ओर से एलपीजी की उपलब्धता और वितरण पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। यदि काई भी व्यक्ति एलपीजी की कालाबाजारी व अवैध भंडारण करेगा तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।
-नितिश सिंगला, डीएफएससी रेवाड़ी।

साइक्लिंग करने से बच्चों की शारीरिक क्षमता का होगा विकास: डा. लाज कौशल

कोसली। कोसली के राजीव गांधी खेल परिसर में रविवार को आयोजित बैठक में कोसली साइकिल क्लब का गठन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथिराजकीय महाविद्यालय की प्राचार्या डा. लाज कौशल ने कहा कि साइकिल क्लब का गठन स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। वर्तमान समय में शारीरिक श्रम कम हो गया है। इसलिए साइक्लिंग बहुत जरूरी है। यदि प्रत्येक व्यक्ति लघु आवागमन के लिए साइकिल का प्रयोग करना शुरू कर दें तो स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा पर्यावरण को बचाने में भी अपना योगदान दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि साइक्लिंग एक अच्छा व्यायाम का माध्यम भी है। साइक्लिंग करने से बच्चों की शारीरिक क्षमता का भी विकास होगा। बैठक में ब्लाक समिति सदस्य सुषमा यादव, बॉक्सर शर्मिला यादव, डा. सतबीर इंदौरा व अनार बाला मौजूद थी।

ग्रामीण सहभागिता विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▸▸ मीरपुर

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग की ओर से समाज विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रोफेसर विकास बत्रा की अध्यक्षता में ग्रामीण सहभागिता विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय से प्रोफेसर अर्चना कौशिक तथा कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से प्रोफेसर वनिता धींगड़ा ने शिरकत की। समाज कार्य विभागाध्यक्ष डा. देवेंद्र सिंह ने वक्ताओं का स्वागत किया। मंच संचालन डा. सत्येंद्र ने किया। कार्यशाला दो सत्रों में आयोजित की गई।

प्रथम सत्र सैद्धांतिक था, जिसमें प्रोफेसर अर्चना कौशिक ने ग्रामीण क्षेत्र में शोध कार्य करते समय आवश्यक पहलुओं जैसे ज्ञान निर्माण, संबंध निर्माण, सहभागी अनुसंधान तथा ट्रांजिट वॉक के बारे में जानकारी दी।

प्रशिक्षण शिविर में विकसित भारत के लिए भाजपा के आगामी विजन पर चर्चा

खोरी। बावल विधानसभा क्षेत्र में खोरी मंडल भाजपा की ओर से दो दिवसीय पंडित दीनदयाल प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता खोरी मंडल भाजपा अध्यक्ष सरपंच नरेश यादव नरू ने की। मंडल के सभी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम में भाग लिया। प्रशिक्षण शिविर 7 सत्रों का रहा, जिसमें प्रत्येक सत्र के लिए अलग-अलग मुख्य वक्ता थे। मंच संचालन मंडल महामंत्री अरुण धारण ने किया। प्रदीप ठेकेदार नारायणपुर ने सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम में भाजपा का इतिहास, देश की प्रगति, मन की बात, केंद्र व राज्य की योजनाएं व कार्यकर्ता कर्तव्य, अनुशासन समर्पण व बूथ स्तर पर पार्टी संगठन की मजबूती जोर दिया गया। साथ ही विकसित भारत के लिए पार्टी के आगे के विजन पर भी चर्चा हुई। जिला उपाध्यक्ष जीतू चेयरमैन व खोल मंडल अध्यक्ष सुभाष यादव ढाणी शोभा पर्यवेक्षक के रूप में उपस्थित थे।

कांशीराम ने पूरा जीवन दबे-कुचले और वंचित समाज की आवाज बनने में समर्पित किया: रमेश

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रेवाड़ी

बहुजन समाज के नायक और सामाजिक परिवर्तन के पुरोधा कांशीराम की जयंती के अवसर पर रविवार को अनेक जगह कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिला कांग्रेस कमेटी के एससी डिपार्टमेंट जिला अध्यक्ष रमेश ठेकेदार और प्रदेश उपाध्यक्ष व जिला प्रभारी अनिल फांडान ने कांशीराम की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उनके दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। इस मौके पर रमेश ठेकेदार ने कहा कि कांशीराम ने अपना पूरा जीवन दबे-कुचले और वंचित समाज की आवाज बनने में समर्पित कर दिया। उन्होंने बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय के मूल मंत्र पर काम करते हुए समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलने की नींव रखी। आज उनके विचार लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए अत्यंत प्रासंगिक हैं। इस मौके पर सेवा स्तंभ के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं जिला अध्यक्ष भगत सिंह सांभरिया, मीर सिंह चावरिया जिला उपाध्यक्ष, खूबराम सरपंच जिला उपाध्यक्ष, मामराज जिला उपाध्यक्ष, रामेश्वर जिला महासचिव, सूबेदार मेजर सत्यनारायण आवाज फाउंडेशन, भूप सिंह झाबुआ, रामनिवास ठेकेदार जिला उपाध्यक्ष, जय सिंह, बनवारीलाल ठेकेदार, चन्दन कुमार आदि लोग मौजूद रहे।

एनएसएस की गतिविधियां विद्यार्थियों को समाज के प्रति संवेदनशील और जिम्मेदार बनाती: डा. करण

हरिभूमि न्यूज ▸▸ बावल

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि कॉलेज बावल में चल रहे सात दिवसीय एनएसएस शिविर का रविवार को समापन हो गया। सात दिनों तक चले शिविर में स्वयंसेवकों ने विभिन्न सामाजिक, शैक्षणिक और जागरूकता संबंधी गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिविर के अंतिम दिन की शुरूआत योगा सत्र के साथ हुई। विद्यार्थियों ने विभिन्न योगासन और प्राणायाम किए तथा योग के माध्यम से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के महत्व को समझा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर के छात्र कल्याण निदेशक डा. करण सिंह उपस्थित थे। उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन में अनुशासन और मेहनत के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने युवाओं को नशे से दूर रहने की सलाह देते हुए कहा कि नशा व्यक्ति के जीवन और भविष्य दोनों को प्रभावित करता है।

स्वयंसेवकों ने रैली निकालकर दिया स्वच्छता का संदेश

मीरपुर। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय की ओर से राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय शिविर के तीसरे दिन की शुरूआत प्रातः कालीन योग सत्र से हुई, जिसमें स्वयंसेवकों ने भाग लेकर स्वस्थ जीवनशैली के महत्व को समझा। इसके बाद आयोजित व्याख्यान में डा. पुखराज यादव ने विद्यार्थियों को सामाजिक जिम्मेदारी और एनएसएस स्वयंसेवकों की भूमिका के बारे बताया। उन्होंने युवाओं को समाज के प्रति अपने कर्तव्यों को समझते हुए सकारात्मक कार्यों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। माय भारत राष्ट्रीय एनएसएस पुरस्कार से सम्मानित योगेश चौधरी ने भी विद्यार्थियों के साथ अपने अनुभव साझा किए। शाम के सत्र में एनएसएस स्वयंसेवकों ने मीरपुर परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया। विद्यार्थियों ने रैली निकालकर स्वच्छता का संदेश दिया।

आरपीएस में जेईई मेन्स के सफल विद्यार्थियों का हुआ सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▸▸ कोसली

आरपीएस स्कूल कोसली में जेईई मेन्स परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों के सम्मान में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 28 बटालियन आईटीबीपी जाटूसाना के कमांडेंट अखिल जैन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि अखिल जैन एवं उनकी धर्मपत्नी मीनल जैन, डिप्टी कमांडेंट विजेंद्र, आरपीएस ग्रुप की चेयरपर्सन पवित्रा राव, सीईओ मनीष राव, डिप्टी सीईओ कुणाल राव, विद्यालय के अध्यक्ष श्रीभगवान यादव, निदेशक हंसराज यादव तथा प्राचार्या अंजू यादव ने किया। कार्यक्रम में प्रतिभावान विद्यार्थियों एवं अभिभावकों का तिलक लगाकर और पगड़ी पहनाकर अभिनन्दन किया गया।

महिलाओं ने सम्मेलन में योग और भारतीय संस्कृति को अपनाने का लिया संकल्प

रेवाड़ी। रविवार को जिला पतंजलि परिवार की टीम ने करनाल में आयोजित महिला महासम्मेलन के लिए रवाना हुई। पतंजलि योग समिति जिला महिला प्रभारी सरोज आर्या के नेतृत्व में पतंजलि योग समिति के सदस्यों व योग साधकों ने महिला महासम्मेलन में भाग लिया। महिला महासम्मेलन में योग गुरु स्वामी रामदेव ने मुख्य अतिथि रूप में शिरकत की। महिलाओं को योग, आयुर्वेद, स्वदेशी तथा भारतीय शिक्षा बोर्ड को अपनाकर स्वस्थ व संस्कारित समाज के निर्माण में आगे आने का आह्वान किया। महिला महासम्मेलन में महिलाओं ने योग और भारतीय संस्कृति को अपनाने का संकल्प भी लिया। जिले से जिला प्रभारी दयाराम आर्य, मीडिया प्रभारी मुकेश कुमार,तहसील प्रभारी राजेश बाई, वरिष्ठ योग शिक्षिका सावित्री देवी, कृष्णा देवी, उर्मिला, शशिबाला, कविता, नीलम, चित्रा, मीना, सरोज, कांता, कमला, प्रमिला व सुनीता सहित अनेक सदस्यों ने सम्मेलन में भाग लिया।

खेल उपकरणों के लिए 31 तक डिमांड दे सकते हैं पंचायत व नगर निकाय

रेवाड़ी। खेल विभाग हरियाणा की ओर से हरियाणा खेल उपकरण प्रावधान योजना 2025-26 के तहत पंचायतों व नगर निकायों में खिलाड़ियों की रुचि के अनुसार वालीबॉल, फुटबॉल, बास्केटबॉल, हैंडबॉल, बॉक्सिंग, कुश्ती, जूडों, क्रिकेट, योगा व वेटलिफ्टिंग खेलों का सामान दिया जाएगा। जिला खेल अधिकारी ममता ने बताया कि जिले के इच्छुक गांव व नगर निकाय योजना के तहत निर्धारित आवेदन पत्र में अपनी मांग 31 मार्च तक जिला खेल कार्यालय राव तुलाराम स्टेडियम में जमा करा सकते हैं। उन्होंने बताया कि योजना के तहत इन खेलों के लिए निर्धारित खेल मैदान-हॉल व सामान रखने के लिए स्टोर उपलब्ध होने चाहिए।

धर्म खरमास में विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करना और तुलसी पूजा करना अत्यंत लाभकारी

एक माह नहीं हो सकेंगे विवाह व कोई शुभ कार्य

- ज्योतिषाचार्य ने बताया कि खरमास में प्रतिदिन सूर्योदय से पहले उठकर स्नान करें और तांबे के लोटे से सूर्य को अर्घ्य दें

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रेवाड़ी

सनातन धर्म व ज्योतिष शास्त्र में सूर्य का राशि परिवर्तन विशेष महत्व रखता है। वह प्रत्येक माह गोचर करते हुए राशियों पर अपना शुभ-अशुभ प्रभाव डालते हैं, लेकिन सूर्य का मीन में गोचर अधिक महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि इससे खरमास लगता है। गत दिवस अर्द्धरात्रि एक बजकर 8 मिनट से सूर्य देव ने मीन राशि में प्रवेश कर लिया है। सूर्य के इस गोचर के साथ ही खरमास की शुरूआत भी हो गई है। यह अवधि करीब एक माह रहेगी, जिसमें कुछ राशियों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। खरमास को एक अशुभ समय माना जाता है, जिसमें सूर्य की स्थिति कमजोर होती है। इसलिए इस समय कोई शुभ शुभ-मांगलिक कार्य नहीं करना चाहिए।

खरमास में इन कार्यों को करने से बचें

ज्योतिषाचार्य का कहना है कि खरमास में कोई भी शुभ काम नहीं किया जाता है। शादी-विवाह से लेकर घर खरीदने तक पर रोक लग जाती है। खरमास में विवाह, सगाई, मुंडन, नामकरण, जनेऊ संस्कार और अन्नप्राशन जैसे सभी 16 संस्कार वर्जित होते हैं। साथ ही नए घर का निर्माण शुरू करना, भूमि पूजन या गृह प्रवेश नहीं करना चाहिए। नया वाहन, जमीन, फ्लैट, सोना-चांदी के गहने या कीमती रत्नों की खरीदारी से बचना चाहिए। नया बिजनेस शुरू करना, नई नौकरी जॉइन करना या बड़ा निवेश करना इस समय शुभ नहीं माना जाता है। इस महीने में लहसुन, प्याज, मांस-मछली, अंडा और शराब जैसे तामसिक पदार्थों का सेवन भूलकर भी नहीं करना चाहिए। इतना ही नहीं, तुलसी के पत्ते तोड़ना भी अशुभ माना जाता है।

खरमास में क्यों नहीं होती शादियां

ज्योतिषाचार्य ने कहा कि जब सूर्य धनु या मीन राशि में प्रवेश करता है, तो उसे खरमास कहा जाता है। इस अवधि के दौरान सूर्य का प्रभाव और तेज कम माना जाता है, और चूंकि सूर्य को सभी ग्रहों का राजा माना गया है, इसलिए उसका कमजोर होना शुभ कार्यों के लिए अनुकूल नहीं होता। सूर्य जब अपने गुरु की राशि धनु और मीन में प्रवेश करता है, तो गुरु का प्रभाव कम हो जाता है। गुरु को विवाह का कारक माना जाता है, इसलिए गुरु के कमजोर होने पर विवाह कार्य नहीं किए जाते है।

ये कार्य करने चाहिए

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि खरमास में प्रतिदिन सूर्योदय से पहले उठकर स्नान करें और तांबे के लोटे से सूर्य को अर्घ्य दें। अर्घ्य के जल में कुमकुम, फूल और अक्षत मिलाना शुभ होता है। इस पूरे माह में भगवान विष्णु और श्रीकृष्ण की पूजा का विशेष महत्व है। विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करना और तुलसी पूजा करना अत्यंत लाभकारी माना जाता है। रामायण, श्रीमद्भगवद्गीता, शिव पुराण या श्री सूक्त का नियमित पाठ करना चाहिए।

साल में 2 बार लगता है खरमास

ज्योतिषाचार्य अजय शास्त्री का कहना है कि एक साल में 2 बार खरमास लगता ही है। पहला खरमास धनु संक्रांति पर तो दूसरी बार मीन संक्रांति पर। धनु संक्रांति वाला खरमास दिसंबर-जनवरी में लगता है तो वहीं मीन संक्रांति वाला खरमास मार्च-अप्रैल माह में लगता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, सूर्य देव के घोड़े थक जाने पर उन्होंने गधों को रथ में जोता, जिससे उनकी गति धीमी हो गई। गधों की धीमी गति के कारण इस समय को खरमास कहा जाता है।

खबर संक्षेप

भागवत कथा के शुभारंभ पर महिलाओं ने निकाली कलश यात्रा

धारूहेड़ा। धारूहेड़ा के सरकुलर रोड स्थित परिसर में श्रीमद् भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। रविवार को कथा के शुभारंभ पर महिलाओं की ओर से कलश यात्रा निकाली गई। कथा का आयोजन 21 मार्च तक किया जाएगा। गाजे-बाजे और जयकारों के बीच निकली कलश यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। कस्बे में जगह-जगह लोगों ने पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया। कलश यात्रा में चिंटू यादव ने श्रीमद् भागवत गीता को सिर पर धारण किया। इस दौरान श्रद्धालु भक्ति गीतों पर झूमते हुए नजर आए।

लिटिल मेस्ट्रो स्कूल के वार्षिक उत्सव में बच्चों ने बिखरे अपनी कला के रंग

धारूहेड़ा। लिटिल मेस्ट्रो स्कूल के वार्षिक उत्सव में नन्हे बच्चों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। प्रिंसीपल श्रृद्धा धनुका ने कहा कि वार्षिक समारोह बच्चों के लिए महत्वपूर्ण उत्सव होते हैं, जो नृत्य, संगीत, और कला प्रदर्शनियों के माध्यम से उनके आत्मविश्वास और प्रतिभा को बढ़ाते हैं। ऐसे कार्यक्रम बच्चों की सीखने की क्षमता, सामाजिक कौशल और शारीरिक विकास को बढ़ावा देने के लिए मंच प्रदान करते हैं। बच्चे छोटी उम्र में ही मंच पर नृत्य, नाटक और गायन कर दर्शकों का दिल जीत लेते हैं। उन्होंने कहा कि मंच पर प्रस्तुति देने से बच्चों का डर दूर होता है और वे निडर बनते हैं। वार्षिक उत्सव में बच्चों ने अनेक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी।

सोलहराही इच्छापूर्ण हनुमान मंदिर में सुंदरकांड पाठ व भंडारा 21 को

रेवाड़ी। सोलहराही सेक्टर-1 स्थित प्राचीन इच्छापूर्ण चोले वाले हनुमान मंदिर में 21 मार्च शनिवार को शाम को 5 बजे से सुंदरकांड पाठ व भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही मंदिर परिसर में 7:30 बजे से भंडारे का आयोजन किया जाएगा। मंदिर के पुजारी बिजेन्द्र भारद्वाज मेहंदीपुर बालाजी धाम वाले ने बताया कि सुंदरकांड पाठ में रेवाड़ी से भजन गायक गोपाल वर्मा और मुंडावर से गायक विक्की वशिष्ठ मनमोहक भजनों के माध्यम से बाबा की महिमा का गुणगान करेंगे। मंदिर के संस्थापक भूपेन्द्र गुप्ता ने बताया कि प्राचीन इच्छापूर्ण चोले वाले हनुमान मंदिर में भक्तों के सहयोग से प्रति माह सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया जा रहा है।

भावांतर भरपाई योजना से मधुमक्खी पालकों को मिल रही आर्थिक सुरक्षा

रेवाड़ी। सरकार की ओर से भावांतर भरपाई योजना के अंतर्गत शहद का संरक्षित मूल्य 120 रुपये प्रति किलोग्राम निर्धारित किया गया है। इससे मधुमक्खी पालकों को बाजार में कीमतों के उतार-चढ़ाव से राहत मिलेगी और उनके उत्पाद का उचित मूल्य सुनिश्चित होगा। डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि मधुमक्खी पालकों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने की दिशा में भावांतर भरपाई योजना के तहत शहद के लिए संरक्षित मूल्य तय किया है। उन्होंने कहा कि मधुमक्खी पालन किसानों के लिए आय का महत्वपूर्ण अतिरिक्त स्रोत बनकर उभरा है। यह न केवल किसानों की आमदनी बढ़ाता है, बल्कि परागण के माध्यम से फसलों की उत्पादकता बढ़ाने में भी अहम भूमिका निभाता है। डीसी ने बताया कि योजना के तहत पंजीकरण और सत्यापन की प्रक्रिया मधुक्रांति पोर्टल तथा भावान्तर भरपाई योजना पोर्टल के माध्यम से की जाएगी। पंजीकरण की अवधि 30 जून तक निर्धारित की गई है। योजना का लाभ लेने के लिए हरियाणा राज्य की सीमा के भीतर सत्यापन अनिवार्य होगा। उन्होंने बताया कि लाभार्थियों को परिवार पहचान पत्र और बैंक खाते के विवरण के आधार पर सत्यापन कराना होगा। यह प्रक्रिया अधिकृत अधिकारियों द्वारा पूरी पारदर्शिता के साथ संपन्न की जाएगी, ताकि योजना का लाभ वास्तविक मधुमक्खी पालकों तक पहुंच सके।

मेघवाल उत्थान समिति ने काशीराम के संघर्ष को किया याद

रेवाड़ी। मेघवाल उत्थान समिति की ओर से रविवार को बहुजन नायक व सामाजिक न्याय के प्रणेता कांशीराम की जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर समाज में उनकी ओर से दिए गए अतुलनीय योगदान एवं संघर्ष को याद किया गया। इस मौके पर मुख्य सलाहकार एवं पूर्व सरपंच सावंत सिंह मेघवाल ने कहा कि कांशीराम का जीवन संघर्ष की एक जीती-जागती मिसाल है। उन्होंने दलित, पिछड़े, अल्पसंख्यक एवं शोषित वर्गों के उत्थान के लिए अथक परिश्रम किया। उन्होंने केंद्र सरकार से कांशीराम को मरणोपरांत भारत रत्न देने की मांग की। सेवानिवृत्त मेजर सूबेदार बलबीर सिंह ने कांशीराम के जीवन पर प्रकाश डालते हुए युवा पीढ़ी को उनके नक्शेकदम पर चलने और समाज से जुड़कर संघर्ष करने का आह्वान किया। इस मौके पर समिति के संयोजक वेद प्रकाश मेघवाल, प्रधान सूरजभान, उपाध्यक्ष देवेंद्र, मैनेजर सचिन, भूपेंद्र मेघवाल शेखपुर, सह सचिव अशोक मेघवाल, परमेश्वर, हीरा सिंह वैद्य व सतीश नांगल तेजू सहित अनेक लोग मौजूद थे।

यादव सभा के फ्री चिकित्सा शिविर में 146 लोगों ने करवाई जांच

रेवाड़ी। यादव कल्याण सभा की ओर से रविवार को गढ़ी बोलनी रोड स्थित श्री कृष्ण भवन में फ्री चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। कैंप में 146 मरीजों को फ्री ओपीडी सेवाएं व फ्री दवाईयां प्रदान की गई। शिविर में मेडिसन, हड्डी रोग, न्यूरो सर्जरी, चर्म रोग, नेत्र रोग, दंत रोग व स्त्री रोग सहित फिजियोथेरेपिस्ट की सेवाएं प्रदान की गई। विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने कैंप में आए मरीजों की जांच करके उचित परामर्श प्रदान किया। शिविर के आयोजन में सभा के प्रधान रामबीर यादव, जसवंत सिंह, शशिभूषण, अमर सिंह, गोकल राम, सभा प्रवक्ता प्रो. सतीश यादव व अशोक ने सहयोग प्रदान किया।